mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-104 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

17 अप्रैल 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

मयंक यादव की जल्द...

@ पेज 7

प्राचीन स्वरूप में लौटेंगी राधारानी के गांव बरसाना की पहाड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए मथुरा जिले में स्थित राधारानी के गांव बरसाना के आसपास की पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा तैयार की गई परियोजना

● ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा तैयार की गई परियोजना

को राज्य सरकार ने हरी झंडी दे दी है। साथ ही, परिषद को इन पहाड़ियों पर मौजूद बबूल और कीकर जैसे अलाभकारी वृक्षों को हटाकर उनके स्थान पर कृष्णकालीन प्रजाति के वृक्षों के रोपण की अनुमति भी सुप्रीम कोर्ट से मिल गई है। यह जानकारी परिषद के सीईओ एवं मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने वृन्दावन और मथुरा के बाद बरसाना में पर्यटकों की तेजी से बढ़ती संख्या को देखते हुए क्षेत्र में पर्यटन की दृष्टि से 206 करोड़ की लागत वाली 10 परियोजनाएं प्रस्तावित की थीं। इनमें से बरसाना के आसपास की तीन पहाड़ियों के सौन्दर्यीकरण की योजना को स्वीकृति मिल गई है।

राधारानी की सखियों के नाम पर हैं 8 पहाड़ियां

उल्लेखनीय है कि भगवान श्रीकृष्ण की आह्लादिनी शक्ति राधारानी के गांव बरसाना के आसपास राजस्थान की सीमा से लगी आठ पहाड़ियां हैं जिन्हें राधारानी की आठ सखियों के नाम पर %अष्ट सखी% का स्वरूप माना जाता है। एक सदी पहले तक ये सभी पहाड़ियां प्राकृतिक छटा से भरपूर एवं बहुत ही समृद्ध नजर आती थीं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में इन पहाड़ियों का स्वरूप अंधाधुंध दोहन एवं उपेक्षा के चलते विकृत हो गया है। जहां कभी चारों तरफ बड़े ही हरे-भरे वृक्ष नजर आते हैं वहां अब कीकर, करील और बबूल जैसे उजाड़ वृक्ष एवं पहाड़ ही शेष रह गए हैं।

सिंह ने बताया कि इन पहाड़ियों का धार्मिक महत्व है क्योंकि माना जाता है कि ये भगवान श्रीकृष्ण एवं राधारानी की अनेक लीलाओं की साक्षी रही हैं। इसलिए सरकार ने इनके सौन्दर्यीकरण का निर्णय लिया है। योजना के अनुसार पहले चरण में राकौली, ढभाला और सखी गिरि पहाड़ियों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। शुरुआत 98 हैक्टेअर में फैली राकौली पहाड़ी से होगी।

तारबंदी कर होगा 'ईको-रेस्टोरेशन': सिंह ने बताया कि इस पहाड़ी की तारबंदी कर यहां 'ईको-रेस्टोरेशन' का काम किया जाना है जिसमें पौधारोपण, जल संरक्षण से लेकर संस्कृति संरक्षण आदि शामिल है। कुल 2.11 करोड़ की लागत की इस योजना के लिए 1.30 करोड़ अवमुक्त कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि हरियाली को नष्ट करने वाले वृक्षों को हटाकर कदम्ब, पीलू, ढाक आदि द्वापरयुगीन प्रजाति के वृक्ष लगाए जाएंगे और सुप्रीम कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता शुरू होने के बाद अचानक ईरान के उपराष्ट्रपति का इस्तीफा

दुबई (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता शुरू होने के बाद तेहरान की सियासत में भूचाल आ गया गया है। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि जवाद जरीफ वही हैं, जो 2015 में दुनिया के ताकतवर देशों के साथ परमाणु समझौते के दौरान तेहरान की ओर से प्रमुख वार्ताकार थे। मगर अब अचानक उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने उनके इस्तीफे को स्वीकार करने का भी ऐलान किया है। राष्ट्रपति पेजेशकियन की मंगलवार देर रात मोहम्मद जवाद जरीफ के संबंध में घोषणा ऐसे समय में आई है, जब ईरान अपने तेजी से बढ़ते

परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ दूसरे दौर की वार्ता की तैयारी कर रहा है। इस बीच, बुधवार से शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी की यात्रा में इस बात को लेकर वार्ता शामिल हो सकती है कि किसी प्रस्तावित सौदे के तहत उनके निरीक्षकों को क्या पहुंच मिल सकती है। जवाद जरीफ ने अचानक अपने पद से इस्तीफा क्यों दिया, इस बारे में उन्होंने कोई ऐलान नहीं किया है और न ही सरकार की ओर से इसका कोई ठोस कारण बताया गया है। मगर उनका ये इस्तीफा ऐसे वक्त में हुआ है, जब डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर लगातार परमाणु समझौते करने का दबाव बना रहे हैं और धमकी भी दे रहे हैं।

12 भारतीयों के साथ उड़ान भर रहे विमान में आई खराबी, हुई इमरजेंसी लैंडिंग

काठमांडू (एजेंसी)। 12 भारतीयों के साथ उड़ान भर रहे एक विमान में अचानक खराबी आ जाने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। सभी को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक हवा में उड़ान भर रहे एक विमान के 'हाइड्रेलिक' प्रणाली में खराबी आने की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया। इसके बाद तत्काल आपात स्थिति में विमान को काठमांडू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने का फैसला लिया गया। पायलट ने बहुत ही सूझबूझ के साथ इमरजेंसी लैंडिंग कराई। इसमें 12 भारतीय यात्री भी सवार थे। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि माउंट एवरेस्ट क्षेत्र के

प्रवेशद्वार लुक्ला से रामेछाप जा रहे निजी कंपनी 'सीता एयर' के विमान में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद उसे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। अधिकारी ने बताया कि डोर्नियर विमान में 12 भारतीय, दो नेपाली और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। सही समय पर सटीक फैसला लिए जाने के चलते विमान को काठमांडू एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक उतारा गया। विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसे ट्रैक्टर की मदद से पार्किंग स्थल तक ले जाया गया। अधिकारी ने बताया इस विमान में ''हाइड्रेलिक प्रेशर'' में कमी का संकेत मिला। विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं।

स्कूलों की मनमानी और मनचाही फीस वसूली पर सख्त रुख

दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी और मनचाही फीस वसूली पर सख्त रुख अपनाया है। सीएम रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली के कुछ प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ाए जाने के मुद्दे पर बच्चों और अभिभावकों से बात की। ऐसे में सीएम रेखा गुप्ता ने फोन लगाकर मनमानी करने वाले प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और रजिस्ट्रेशन रद्द करने की बात कही है। स्कूल को भेजे जा रहे हैं नोटिस सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि जिन स्कूलों के खिलाफ बच्चों के अभिभावकों ने असामान्य रूप से फीस वृद्धि की शिकायत की है, उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं। इन सभी स्कूलों के खिलाफ जांच

बैठकर कार्रवाई की जाएगी। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी डाला है। इस वीडियो में वह स्कूल के बच्चों और उनके परिजनों से बात करते हुए दिख रही हैं। ये वीडियो जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान का है। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने सरकार के अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिया, क्लीन मैरी स्कूल, मॉडल टाउन के पदाधिकारियों को सचिवालय बुलाइये और इनको कह दीजिए कि इनका जो स्कूल है, उसका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो को जारी करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, क्लीन मैरी स्कूल, मॉडल टाउन से संबंधित एक मामला सामने आया, जिसमें बच्चों के परिजनों ने गलत तरीके से फीस वसूली और बच्चों को स्कूल से निकाले जाने की शिकायत दर्ज की है। सीएम ने कहा, इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर कड़ी और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता, समान अवसर और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, किसी भी प्रकार का अन्याय, शोषण या अनियमितता को लेकर जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई गई है।

दिल्ली में श्रमिकों के लिए खुशखबरी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बढ़ाई न्यूनतम मजदूरी

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी की सरकार ने श्रमिकों और छोटे मजदूरों के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने उसके द्वारा काम पर रखे गए कुशल एवं अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी की है ताकि उन्हें बढ़ती महंगाई के बीच राहत मिल सके। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली के सचिव सह श्रम आयुक्त ने एक बयान में बताया कि सरकार ने कुशल एवं अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की अधिसूचित दरों में बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी केंद्र द्वारा घोषित महंगाई भत्ते की दरों के कारण की गई है।

कब से लागू होंगी नई दरें?

नई मजदूरी दरें 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। संशोधित श्रमिक वेतन के अनुसार अकुशल श्रमिकों का मासिक वेतन अब 18,456 रुपये होगा, जबकि ग्रेजुएशन और उससे अधिक योग्यता वाले श्रमिकों को 24,356 रुपये प्रति माह मिलेंगे।

किसे कितना फायदा?

अन-स्किल्ड लेबर: 18,066 से बढ़ाकर 18,456 (390 रुपये की बढ़ोतरी)

सेमी-स्किल्ड लेबर: 19,929 से बढ़ाकर 20,371 (442 रुपये की बढ़ोतरी)

स्किल्ड लेबर: 21,917 से बढ़ाकर 22,411 (494 रुपये की बढ़ोतरी)

मैट्रिक पास नहीं: 19,929 से बढ़ाकर 20,371 (442 रुपये की बढ़ोतरी)

मैट्रिक पास लेकिन ग्रेजुएट नहीं : 21,917 से 22,411 (512 रुपये की बढ़ोतरी)

ग्रेजुएट और उससे ऊपर : 23,836 से बढ़ाकर 24,356 (520 रुपये की बढ़ोतरी)

दिल्ली सरकार के इस फैसले से निर्माण स्थल, फैक्ट्रियों, दुकानों, और अन्य निजी क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा। छोटे मजदूरों से लेकर ग्रेजुएट योग्यताओं रखने वाले श्रमिकों तक, सभी की मासिक आय में इजाफा होगा। यह न सिर्फ महंगाई से राहत देगा बल्कि यह एक बेहतर जीवन की ओर भी कदम होगा।

पुणे के बिजनेसमैन की बिहार में गला घोंटकर हत्या

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुणे शहर के कोथरूड इलाके में रहने वाले एक 55 वर्षीय कारोबारी की गला घोंटकर हत्या करने की हैरान करने वाली खबर बिहार के पटना से सामने आई है। मृतक कारोबारी की पहचान लक्ष्मण साधु शिंदे के रूप में हुई है। इस खबर के आने से पहले मृतक कारोबारी के रिश्तेदार (साले) विशाल लवाजी लोखंडे द्वारा 12 अप्रैल के रोज पुणे शहर के कोथरूड पुलिस थाने में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मण शिंदे की पुणे जिले के खेड़शिवापुर इलाके में कंपनी थी। कंपनी के ईमेल आईडी पर मेल भेजकर उन्हें बिहार बुलाया गया था। मेल के लिखा गया था कि उनके कंपनी को लगने वाली मशीन और अन्य उपकरण कम कीमत में उन्हें दिलाए जाएंगे। इसके वह वह बिहार चले गए थे। परिवार वाले कई बार उनसे संपर्क की कोशिश करते रहे लेकिन उनका मोबाइल फोन स्विचऑफ हो गया।

'एक बात जो बहुत व्यथित करने वाली है, वह है यहां हो रही हिंसा

वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों में हिंसा पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को लेकर दायर हुई याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करते हुए एक बेहद ही अहम टिप्पणी की। अदालत ने नए वक्फ कानूनों को लेकर विरोध प्रदर्शनों के दौरान हो रही हिंसा को 'बहुत व्यथित करने वाला' करार दिया। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने हाल ही में संशोधित किए गए वक्फ कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस खन्ना ने कहा, 'एक बात जो बहुत व्यथित करने वाली है, वह है यहां हो रही हिंसा। अगर मामला यहां लंबित है तो ऐसा नहीं होना चाहिए।' केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए कहा, 'वे सोचते हैं कि इससे व्यवस्था पर दबाव बनाया जा सकता है।' हालांकि, एक मुस्लिम संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा, 'कौन किस पर दबाव बना रहा है, हमें नहीं पता।' इस पर चीफ जस्टिस ने विधेयक के

कुछ 'सकारात्मक बिंदुओं' को रेखांकित करने की बात कही। बता दें कि पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में 14 अप्रैल को वक्फ कानून से जुड़ी हिंसा की ताजा घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, मुर्शिदाबाद जिले में 11 और 12 अप्रैल को सुती, समसेरगंज, धुलियान और जंगीपुर जैसे क्षेत्रों में सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। पुलिस के मुताबिक, मुर्शिदाबाद में स्थिति अब काफी हद तक नियंत्रण में है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हाल ही में हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था।

भूषण रामकृष्ण गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

14 मई से शुरू होगा कार्यकाल

लखनऊ (एजेंसी)। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई 14 मई को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई संजीव खन्ना ने बुधवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय से सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश बीआर गवई को अगला सीजेआई नियुक्त करने की सिफारिश की थी। सीजेआई खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। न्यायमूर्ति गवई के करियर के उल्लेखनीय फैसलों में जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370 को हटाना और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करना शामिल हैं। बता दें कि न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई मूल रूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले हैं।

कौन हैं बीआर गवई? 24 नवंबर 1960 को अमरावती में जन्में बीआर गवई वरिष्ठ सांसद स्वर्गीय रामकृष्ण गवई के बेटे हैं।बीआर गवई न्यायमूर्ति केजी बालकृष्ण के बाद दूसरे मुख्य न्यायाधीश होंगे, जो दलित समुदाय से आते हैं,

जिन्होंने साल 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था।64 वर्षीय न्यायमूर्ति बीआर गवई नवंबर 2025 में रिटायर होंगे। मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 14 मई 2025 से 24 नवंबर 2025 तक रहेगा।जस्टिस गवई के पिता जस्टिस रामकृष्ण सूर्यभान गवई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के संस्थापक थे। वे महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय थे और 1998 में ए के उम्मीदवार के रूप में अमरावती निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने 2006 से 2011 के बीच वह बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल के रूप में भी काम कर चुके हैं। न्यायमूर्ति भूषण गवई 16 मार्च 1985 को बार में शामिल हुए थे। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के लिए सरकारी वकील और फिर सरकारी अभियोजक के रूप में कार्य किया है।उन्हें 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत होने से पहले उन्होंने वहां 16 वर्षों तक सेवा की। न्यायमूर्ति गवई नवंबर में अपनी सेवानिवृत्ति से पहले लगभग छह महीने तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करेंगे।

दिल्ली के कोर्टरूम में हुई जमकर लड़ाई

महिलाओं ने भी मारे लात-घूंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कोर्टरूम में हुई लड़ाई का एक वीडियो इन दिनों वायरल हो रहा है। दरअसल यह पूरा मामला एसईएम नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का है। यहां कोर्टरूम में दो लोगों के बीच झगड़ा हो गया और विवाद इतना बढ़ गया कि हंगामा शुरू हो गया। बता दें कि यह कोर्ट व्यक्तिगत विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई करता है, जैसे धारा 107/151, यानी साधारण झगड़े से जुड़े केस। इसी बीच मामले की सुनवाई के दौरान ही दो लोग आपस में भिड़ गए और नौबत मारपीट तक आ गई। यह पूरा मामला कब का है और किन दो लोगों के बीच लड़ाई हुई है, यह अबतक साफ नहीं हो पाया है। हालांकि संभवत- ऐसा लग रहा है जैसे दो वकीलों के बीच यह लड़ाई हुई है।

बता दें कि इससे पहले दिल्ली यूनिवर्सिटी में छात्रों और कॉलेज प्रशासन के बीच

का विवाद खूब सुर्खियों में छाया रहा। दरअसल लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल का वीडियो सामने आया था, जिसमें वो क्लासरूम की दीवारों पर गोबर का लेप लगाते हुए दिख रही थीं। प्रिंसिपल प्रत्यूष वत्सला ने बताया कि यह काम एक संकाय सदस्य द्वारा शुरू की गई रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा है। उन्होंने खुद ही इस वीडियो को कॉलेज के शिक्षकों के साथ शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि क्लासरूम को ठंडा रखने के लिए देसी तरीके अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट का नाम है %पारंपरिक भारतीय ज्ञान का उपोग करके तापीय तनाव नियंत्रण का अध्ययन।% उन्होंने कहा, ''यह प्रक्रियाधीन है। मैं एक हफ्ते के बाद पूरी रिसर्च का डिटेल शेयर कर सकूंगी। रिसर्च 'पोर्टा केबिन' में की जा रही है। मैंने उनमें से एक पर खुद ही लेप लगाया है क्योंकि प्राकृतिक मिट्टी को छूने से कोई नुकसान नहीं होता। कुछ लोग पूरी जानकारी के बिना गलत सूचना फैला रहे हैं।'' वीडियो में वत्सला कॉलेज कर्मियों की मदद से दीवारों पर गोबर का लेप लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने संदेश में लिखा, ''जिनकी यहां कक्षाएं हैं, उन्हें जल्द ही ये कमरे नए रूप में मिलेंगे। आपके शिक्षण अनुभव को सुखद बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

नवी मुंबई में चलती कार की डिग्गी से लटकता दिखा हाथ

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई में सोमवार को सानपाड़ा रेलवे स्टेशन और वाशी रेलवे स्टेशन के बीच एक इनोवा कार में लटकता हुआ हाथ दिखा था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद शहर में किडनैपिंग और हत्या की अफवाह फैल गई। वीडियो वायरल होते ही नवी मुंबई पुलिस ने उस गाड़ी को ट्रेस करना शुरू कर दिया, जिस कार में हाथ लटकता दिख रहा था। पुलिस को रात करीब 11 बजे वे सभी लोग मिल गए तो कार से जा रहे थे। लोगों ने पुलिस ने बताया कि वे रील बना रहे थे। जिसके पश्चात पुलिस ने उन सभी लोगों पर वाहन अधिनियम 184 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। पूछताछ में उन लोगों ने बताया कि वे लैपटॉप बेचते हैं और लैपटॉप बेचने के लिए ही वे एक प्रमोशनल रील बना रहे थे। सहायक पुलिस आयुक्त अजय लांडगे ने बताया कि घटना के समय मिनहाज शेख इनोवा चला रहा था और उसका एक दोस्त हाथ बाहर कर डिग्गी में लेटा था और उसके दो अन्य दोस्त पीछे मोटरसाइकिल से रील बना रहे थे।

अनुसूचित जाति वर्ग स्वरोजगार स्थापित करने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का ले लाभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित भोपाल ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना एवं सावित्री बाई फुले स्वः सहायता समूह योजनाएं संचालित की जा रही है। संत रविदास स्वरोजगार योजना में उद्योग स्थापित करने के लिए एक लाख से 50 लाख रूपए तक, एक लाख से 25 लाख रूपए तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय के लिए 18 से 45 वर्ष आयु एवं न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए, बैंक से प्राप्त ऋण पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षों तक दिया जाएगा। आवेदन पोर्टल पर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है। योजना डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 10 हजार से एक लाख रूपए तक का ऋण दिया जाएगा। आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य होना चाहिए, शिक्षा का बंधन नहीं है। बैंक से प्राप्त ऋण पर 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षों तक दिया जाएगा। आवेदन पोर्टल पर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है। सावित्री बाई फुले स्वः सहायता समूह योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 18 से 55 वर्ष तक की महिलाओं को जिनका बीपीएल राशन कार्ड एवं समग्र आईडी हो, अनुसूचित जाति की महिलाओं के समूह गठित कर, लघु / कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से प्रत्येक महिला को अधिकतम 50 हजार रूपए तक का ऋण एवं विभाग द्वारा प्रत्येक महिला को 10 हजार अनुदान दिया जाएगा। समूह में कम से कम 5 महिला सदस्य होना चाहिए। इस योजना के आवेदन कार्यालय में सीधे जमा करें।

लाड़ली बहना योजना से सविता की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती राह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल बन चुकी है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में स्थानांतरित की जा रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति में समर्थ हो रही हैं। इसी योजना का लाभ भोपाल के बाणगंगा क्षेत्र की निवासी श्रीमती सविता विश्वकर्मा को भी मिल रहा है। सविता बताती हैं कि उन्हें प्राप्त राशि से वे अपने घरेलू खर्चों को आसानी से संभाल पा रही हैं। अब उन्हें अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत उन्हें मात्र 450 रुपये में गैस कनेक्शन भी प्राप्त हुआ है, जिससे रसोई संबंधी कार्यों में भी उन्हें सुविधा मिली है। सविता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना उनके लिए एक बड़ी सहायता बनकर आई है। यह योजना न केवल आर्थिक सहयोग दे रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर भी कर रही है।

किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए मंत्रिपरिषद ने दी है मिशन को सैद्धांतिक मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है।

स्वतंत्रता के शतादी वर्ष 2047 तक विश्व के भरण पोषण में सामर्थ्यवान बनेगा भारत : मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्षञ्च2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरे देश का संकल्प है। विश्वमंच पर पुनः सिरमौर बनाने के लिए, सभी को सहभागिता करने की आवश्यकता है! हम सभी को अपना योगदान देना होगा। भारत की गौरवशाली सभ्यता, विरासत, ज्ञान परम्परा एवं भाषाओं से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागिता करनी होगी। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में जब भारत विश्वगुरु भारत बनेगा, तब हमारा विकसित भारत ऊर्जा एवं खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होकर विश्व के अन्य देशों के भरण पोषण में भी सामर्थ्यवान बनेगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित टीआईटी टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सभागृह में आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी-2025 के अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि एवं मेडल प्रदान कर, उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी

प्रेषित की। श्री परमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध विरासत, ज्ञान परम्परा और संकल्पना के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए अभिप्रेरित किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में इंजीनियरिंग सहित समस्त विषयों में भारत का पुरातन ज्ञान विद्यमान है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय दृष्टि के समावेश का अवसर दिया है। इसके परिप्रेक्ष्य में हर विद्या हर क्षेत्र में भारत केंद्रित शिक्षा का समावेश हो रहा है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की। कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे।

जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान- 2025 के अंतर्गत भोपाल जिले में जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर जन-सहभागिता आधारित गतिविधियाँ संचालित की गईं। जिला प्रशासन और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बैरसिया स्थित खेजड़ा घाट की बाह्य नदी में छात्रों द्वारा साफ-सफाई के साथ बोरी बंधान का निर्माण किया गया।

इसके अतिरिक्त, हथाईखेड़ा डेम में भी सफाई कार्य संपन्न हुआ।

इसी क्रम में वन विहार के समीप स्थित छोटे तालाब में नगर निगम भोपाल के सहयोग से पानी की सतह पर उगी हुई घास को हटाकर तालाब की सफाई की गई। इस श्रमदान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र, जन अभियान परिषद के जिला एवं विकासखंड समन्वयक तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और समुदाय को जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं सतत विकास के लिए प्रेरित करना है।

राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा निर्माण के लिये प्रारंभ हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा निर्माण के लिये 3 दिवसीय कार्य शाला का शुभारंभ मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अलकेश चतुर्वेदी ने मंगलवार को भोपाल के लेक-व्यू अशोका में दीप प्रज्वलित कर के किया। कार्यशाला में बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा जैसे उद्देश्य बिंदुओं पर विचार मंथन के बाद प्राप्त सुझावों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या समिति को प्रेषित किया जाएगा। इसके बाद राज्य की पाठ्यचर्या का निर्माण भी किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी

क्रियान्वयन के लिये टास्क फोर्स का गठन किया है। कार्य शाला में 11 कार्य समूहों का गठन किया गया है।

इसमें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्माण समिति के प्रतिनिधि, प्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के सदस्यगण, राज्य शिक्षा केंद्र विषय समन्वयक एवं अन्य सहयोगी संस्थाएं के विषय विशेषज्ञ सहभागिता कर रहे हैं। कार्य शाला में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत और शिक्षा शास्त्र जैसे विषयों के संबंध में विशेषज्ञों के सुझाव प्राप्त किये जायेंगे।

जनता में खुशहाली लाने के लिए बनाए जाएं आनंद ग्राम- निदेशक गंगराड़े

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य आनंद संस्थान के निदेशक श्री प्रवीण कुमार गंगराड़े ने कहा कि लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक आनंद ग्राम स्थापित किए जाएं। उन्होंने यह बात खरगोन में आयोजित आनंद क्लब सदस्यों, आनंदम सहयोगियों एवं आनंदकों की समीक्षा बैठक में कही।

निदेशक श्री गंगराड़े ने कहा कि खरगोन जिले में आनंद विभाग की गतिविधियां सराहनीय हैं, लेकिन अभी और संभावनाएं हैं। उन्होंने स्वयं आनंदित रहते हुए दूसरों को भी आनंद संस्थान से जोड़ने की अपील की। विशेष रूप से आनंद, अल्पविराम जैसी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए हेप्पीनेस वालंटियर्स की भूमिका को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि राज्य आनंद संस्थान द्वारा आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में आनंद की ओर सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित था। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को एक आनंदमयी जीवन शैली अपनाने के लिये प्रेरित करना रहा। वन विद्यालय झाबुआ में भी आनंद की ओर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानव मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की कला से अवगत कराया गया। चर्चा में यह समझाया गया कि किस प्रकार हम अपने दैनिक जीवन में सजगता, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर जीवन को तनावमुक्त, शांतिपूर्ण और आनंदमय बना सकते हैं। सत्र में छोटे-छोटे पर्यवेक्षणों के माध्यम से अपने भीतर झांकने और अपने व्यवहार में सुधार लाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से जीवन जीने की प्रक्रिया को गहराई से समझा।

सूचना प्रौद्योगिकी से वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण में आयी गतिशीलता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये प्रदेश में निरंतर प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशानुसार विभिन्न विभागों द्वारा इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों के उपयोग से वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण में गतिशीलता लाने के लिये जीआईएस तकनीक का प्रयोग वन क्षेत्रों के नक्शों के निर्माण एवं संधारण के लिये किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा वनों का वैज्ञानिक दृष्टि से इस तरह प्रबंधन करना, जिससे न सिर्फ ग्रामवासियों को वनों से जीविकोपार्जन का स्रोत निरंतर बना रहे, बल्कि प्रबंधन में भी उनकी भागीदारी सशक्त करने का सार्थक प्रयास है। साथ ही इससे यह भी सुनिश्चित करना है कि वन एक प्राकृतिक धरोहर के रूप में संवहनीय, संरक्षित एवं संवर्धित संसाधन के रूप में विकसित होता रहे। मध्यप्रदेश वन एवं वन्य-जीव संरक्षण एवं संवर्धन में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपना स्थान रखता है। वन विभाग में वनखण्डों के मूल मानचित्रों एवं राजस्व विभाग के खसरेवार उपलब्ध जीआईएस डेटा का उपयोग कर नक्शे तैयार किये गये हैं। अभी तक 64 वन मण्डल में से 40 के परिष्कृत मानचित्र तैयार किये गये हैं।

तालाबों और कुओं को साफ रखें, वर्षा जल संचयन करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश के जिलों में जल स्त्रोतों के संवर्धन और संरक्षण के लिये विविध गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में जनभागीदारी से जल संरक्षण का संकल्प साकार हो रहा है। प्राचीन जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और नवीन जल संरचनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उमरिया जिले के जनपद पंचायत करकेली में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत आयोजित वॉटरशेड महोत्सव-2025 जल संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल रही। कार्यक्रम में

विधायक शिवनारायण सिंह, कलेक्टर श्री धरणेन्द्र जैन, जनप्रतिनिधि, किसान, पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह, युवा, छात्र-छात्राएं, और स्थानीय जन मौजूद रहे। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 का उद्देश्य हर खेत को पानी देना है, ताकि किसानों को वर्ष भर सिंचाई की सुविधा मिल सके और खेती की उत्पादकता में वृद्धि हो। योजना के अंतर्गत वाटरशेड डेवलपमेंट एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूजल स्तर को बढ़ाने और भूमि सुधार जैसे कार्यों पर केन्द्रित है।

देवास जिले में प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत टिगरिया गोगा एवं पर्वतपुरा के तालाब का गहरीकरण किया जा रहा है। इस तालाब के गहरीकरण होने से बारिश के दिनों में अधिक पानी का एकत्रितकरण होगा तथा वॉटर लेवल भी बढ़ेगा। इससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा।

छतरपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ग्राम निवरिया में ग्रामीण लोगों की बैठक कर लोगों को तालाबों, कुएं एवं बावड़ियों की सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया और श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई।

किसानों के सशक्तिकरण के लिये मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की होगी शुरूआत : मंत्री कंषाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की शुरूआत करेगी। इसके लिये रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मिशन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मिशन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाएगा। इससे पहले राज्य सरकार युवा, नारी शक्ति और गरीब कल्याण मिशन घोषित कर चुकी है। मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे। मिशन क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकास के लिए गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण पर जोर दे रहे हैं। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में उक्त वर्गों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में किसानों के कल्याण के लिए किए जाने वाले सभी कामों को एक प्लेटफॉर्म दिया जाएगा, जिसके माध्यम से राज्य सरकार आगे बढ़ेगी। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। इसके माध्यम से कृषि को जलवायु अनुकूल बनाया जाएगा। धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाकर जैव विविधता और परंपरागत कृषि ज्ञान संरक्षण का कार्य किया जाएगा।

पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही इससे किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता और खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग कृषक कल्याण मिशन में अहम भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि मिशन में दीर्घकालिक लक्ष्य रखे गये हैं। इसमें उद्यानिकी फसलों का सकल वर्धित मूल्य कृषि आधारित फसलों से अधिक किया जाना, उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल राष्ट्रीय औसत के बराबर लाना, कृषि यंत्रीकरण को डेढ़ गुना करना, कृषि क्षेत्र में पूँजी निवेश को 75 प्रतिशत बढ़ाना, प्रदेश को नरवाई जलाने से मुक्त करना, जैविक, प्राकृतिक, जीएपी कृषि के अंतर्गत संपूर्ण बोये गये क्षेत्र का 10 प्रतिशत हिस्सा पहुँचाना, सूक्ष्म सिंचाई को 20 प्रतिशत क्षेत्रफल तक पहुँचाना, फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना है।

श्रमिकों का कल्याण प्रशासनिक नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व-श्रम मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मंडल की बैठकों में श्रम कल्याण के विषय पर विस्तारसे चर्चा की जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में श्रम कल्याण योजनाएं एवं श्रम कानूनों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के बारे में बोर्ड में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संबल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की विसंगतियों को दूर करें। मंत्री श्री पटेल मंगलवार को पलाश रेसीडेंसी में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल के संचालक मण्डल की 62वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्रम कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, अपर सचिव श्री बसंत कुर्रे, कल?याण आयुक?त श्री एस.एस.दीक्षित सहित मंडल के सदस्य, विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व भी है। हमारी सरकार हर श्रमिक के सम्मान, अधिकार और भविष्य की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले शत-प्रतिशत श्रमिकों को सर्वप्रथम इलेक्ट्रिक वाहन का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नवीन श्रम कल्याण केंद्रों की डिजाइन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम श्री उमराव ने जानकारी दी कि शासन की ओर से मंडल को अंशदान राशि 2 करोड़ से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 करोड़ की गई है।

बैठक में मण्डल की 61वीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर कार्यालय ?द्वारा की गई कार्रवाई की पुष्टि की गई एवं मण्डल के वित्तीय बजट वर्ष 2025-26, मण्डल के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया।

'वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से भोपाल में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे।

25 किसानों की 100 क्विंटल गेहूं की फसल जली, अनाज जलता देख रोने लगी महिलाएं

सिंगरौली में शॉर्ट सर्किट से खलिहान में लगी आग

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सिंगरौली जिले के देवसर इलाके के अकौनी गांव में खलिहान में लगी आग से 25 किसानों की करीब 100 क्विंटल से अधिक गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। दोपहर 12 से 1 बजे के बीच लगी। स्थानीय किसान गोमती प्रसाद केवट के अनुसार, तेज हवा और सूखी फसल की वजह से आग तेजी से फैल गई। किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। पीड़ित किसान राम मिलन नई बैढ़न गए थे। आग की सूचना मिलते ही वे गांव लौटे। उन्होंने बताया कि साल भर की मेहनत आग में जल गई है। अब उनके घर में खाने के लिए एक दाना भी नहीं बचा है। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। हर तरफ महिलाएं और पुरुष रोते-बिलखते नजर आए। बैढ़न से पहुंची दमकल की गाड़ी ने बची-कुची आग को बुझाया। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। खलिहान के पास एक बिजली का खंभा है, जिसके तार काफी नीचे लटक रहे थे। इससे शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।वही शहडोल के देवलोंद थाना क्षेत्र के चौरी गांव में एक किसान की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। बुधवार दोपहर एक बजे की घटना है। किसान ट्रैक्टर ट्राली में गेहूं की फसल गहाई के लिए ले जा रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर ट्राली बिजली के तार से टकरा गई। टकराव से तार टूट गया। इससे शॉर्ट सर्किट हुआ और ट्राली में लदी फसल में आग लग गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर को ट्राली से अलग किया और आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने बोरवेल से पानी निकालकर आग बुझाने की कोशिश की। दमकल को भी बुलाया गया। लेकिन दमकल कर्मचारियों के पहुंचने से पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। थाना प्रभारी डीके दहिया ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। आगजनी का अपराध दर्ज किया जाएगा। इस घटना से किसान को हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। कुछ दिन पहले सीधी थाना क्षेत्र में भी एक किसान के खपरैल मकान में आग लगने की घटना हुई थी।

सिंगरौली में यूपी के तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सिंगरौली जिले की चितरंगी पुलिस ने मंगलवार रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर कार में गांजा तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 6 लाख रुपए कीमत का 30 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन के अनुसार, चितरंगी थाना प्रभारी सुधेश तिवारी को मुखबिर से सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि नौडिहवा के रास्ते से एक कार में गांजा लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी ने टीम गठित कर बगदरा ढाबे के पास घेराबंदी की। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिग्गी, बोनट और अन्य हिस्सों में गांजे के 30 छोटे-छोटे पैकेट बरामद हुए। पकड़े गए आरोपियों में शोभनाथ यादव, रामआशीष पासी और अतुल कुमार सोनकर शामिल हैं। तीनों उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने गांजा तस्करी में प्रयोग की गई लगभग 4 लाख रुपए कीमत की कार को भी जब्त कर लिया है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के अलावा सहायक उप निरीक्षक मोहन पनाडिया, प्रधान आरक्षक लक्ष्मीकांत मिश्रा सहित अन्य पुलिस कर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

आयुक्त ने समीक्षा के दौरान दिये निर्देश

10 से कम केस निपटाने वाले अधिकारियों को दें नोटिस

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

शहडोल संभाग की आयुक्त सुरभि गुप्ता ने राजस्व संबंधी कार्यों में तेजी लाने के लिए कड़े निर्देश दिए हैं। आयुक्त कार्यालय के अमरकंटक कक्ष में आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा- सभी राजस्व कार्य समय-सीमा में पूरे होने चाहिए। उन्होंने आरसीएमएस, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम और डायवर्सन के मामलों की समीक्षा की। जिन न्यायालयों में 10 प्रतिशत से कम प्रकरणों का निराकरण हुआ है, उन पीठासीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने एसडीएम को तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायालयों का नियमित निरीक्षण करने को कहा। आरबीसी के तहत प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने पर जोर दिया। अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन और राजस्व से जुड़े मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, उमरिया कलेक्टर धरणेंद्र जैन, अनूपपुर के अपर कलेक्टर और संभाग के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने सभी कार्यालयों में एक सप्ताह के भीतर ई-ऑफिस शुरू करने के भी निर्देश दिए।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन

ईडी की चार्जशीट में राहुल-सोनिया गांधी के नाम को बदनाम करने की साजिश

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

प्रवर्तन निदेशालय ED ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल की। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इसके विरोध में पार्टी देशभर में ED दफ्तरों के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन कर रही है। सीधी में कलेक्ट्रेट चौक पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ नारेबाजी की। अजय सिंह राहुल ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। 1938 में स्थापित अखबार से जुड़ा यह मामला पूरी तरह झूठा है। ईडी ने हाल ही में 661 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की है। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह समेत यूथ कांग्रेस और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी शामिल हुए। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए केवल 50 लाख रु. में कर लिया। इस कंपनी के 76% शेयर सोनिया व राहुल के पास हैं। इस मामले में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रु. की मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रु. बताया गया है।उमरिया में जिला कांग्रेस कमेटी ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर ईडी की कार्रवाई का विरोध किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व विधायक अजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस नेतृत्व को जबरन परेशान कर रही है। उन्होंने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की जब्ती और पार्टी नेतृत्व के खिलाफ फर्जी आरोप पत्र दाखिल करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसमें कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र को वापस लेने की मांग की गई है। अजय सिंह ने महंगाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने गैस सिलेंडर में 50 रुपए और पेट्रोल-डीजल में 2 रुपए की वृद्धि का विरोध किया। सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से कांग्रेस को डराने की राजनीति छोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, उसके नेता और कार्यकर्ता इन कार्रवाइयों से नहीं डरेंगे।

दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई का आरोप

जिला कांग्रेस अध्यक्ष महाप्रसाद पटेल ने कहा कि यह प्रदर्शन राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर किया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया।महराजपुर के पूर्व विधायक नीरज दीक्षित ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाना चाहती है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही कहा कि लोकसभा में जनता की मांगों को सरकार को पूरा करना चाहिए।

पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

छतरपुर में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय में बैरिकेड तोड़कर प्रवेश किया। कांग्रेस कार्यालय से शुरू हुई रैली में कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है।

बाइक से गिरा युवक, सिर में लगे 6 टांके, हाथ में भी फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सीधी जिले के खजूरी गांव में बुधवार शाम करीब 5 बजे एक बाइक सवार युवक हादसाग्रस्त हो गया। युवक का नाम अनिरुद्ध कुशवाहा है। उसने बताया कि जब वह जा रहा था, तभी खेत में थ्रेशर से गेहूं की कटाई हो रही थी। इस बीच इसकी फांस उसकी आंखों में चली गई। इससे वह संतुलन खो बैठा और बाइक सहित सड़क पर गिर गया। हादसे में वह कुछ दूर तक रगड़ भी खाया। ग्रामीण तुरंत उसे पास के स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने उसकी जांच की। उन्होंने बताया कि युवक की आंख में गेहूं की फांस घुसने से चोट आई है। सिर में गहरी चोट के कारण 6 टांके आए हैं। एक हाथ में फ्रैक्चर भी है। फिलहाल उसे ऑब्जर्वेशन वार्ड में रखा गया है।

सर्व समाज संगठन की संरक्षक ने की मुलाकात

प्रतिनिधि मंडल ने उपमुख्यमंत्री से की मुआवजे का निराकरण करने की मांग

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सर्व समाज संगठन की संरक्षक प्रदेश की राजधानी भोपाल की वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती हेमलता कोठारी जी की अगुवाई में मध्य प्रदेश के यशस्वी डिप्टी सीएम माननीय जगदीश देवड़ा जी से मुलाकात कर बाणसागर बांध में जलमग्न हो गए 17(सत्रह) गांवों का मुआवजा लोकायुक्त प्रकरण में लंबित होने के कारण आज दिनांक तक भुगतान नहीं हो पाया जिससे पीड़ित सभी बेसहारों का सहारा देने के लिए सर्व समाज संगठन रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष श्री आनंद मोहन मिश्र जी सतना लोकसभा के अध्यक्ष कृष्ण प्रताप सिंह जी (प्रिंस) सरपंच गिधैला देवराजनगर एवं अमरपाटन विधानसभा अध्यक्ष महेंद्र कुशवाह द्वारा ज्ञापन देकर अति शीघ्र मुआवजा दिलाने का आग्रह किया गया

डीएसपी के बाद अब ट्रैफिक इंस्पेक्टर के घर चोरी

शहडोल में पुलिसवालों के घर ही सुरक्षित नहीं, दो दिन में दूसरी वारदात

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

शहडोल में पुलिस अधिकारियों के घर ही सुरक्षित नहीं हैं। यहां दो दिन के अंदर दो अधिकारियों के यहां चोरी हो गई। कोतवाली थाने की पुलिस दोनों मामलों में केस दर्ज कर चुकी है, लेकिन अब तक आरोपियों का सुराग नहीं लगा पाई है। विडंबना यह है कि दोनों ही अधिकारियों के आवास पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। ताजा मामला 16 अप्रैल का है। ट्रैफिक निरीक्षक शिवेंद्र भगत का पुलिस लाइन में सरकारी आवास है। वह रीवा गए हुए थे। टीआई ने चाबी टेबल के नीचे छिपा रखी थी। चोरों ने उनके घर से मोबाइल और नकदी चोरी किए हैं। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इससे पहले 15 अप्रैल को विशेष शाखा (डीएसबी) में पदस्थ डीएसपी योगेंद्र सिंह के घर चोरी हो गई थी। चोर लैपटॉप और घड़ी ले गए थे। वारदात के समय योगेंद्र सिंह भी रीवा गए हुए थे। लौटने पर उन्होंने देखा कि खिड़की टूटी हुई थी और सामान गायब था। एडिशनल एसपी अभिषेक दीवान ने बताया कि दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कौन चोर पुलिस अधिकारियों को निशाना बना रहा है। इन घटनाओं से आम जनता में भय का माहौल है और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

सिंहपुर थाना क्षेत्र के बोडरी गांव में एक और चोरी की वारदात सामने आई है। राघवेंद्र तिवारी मंगलवार सुबह अपनी पत्नी को इलाज के लिए शहडोल लेकर गए थे। शाम 4 बजे जब वह वापस लौटे तो घर का ताला टूटा मिला। घर के अंदर का सारा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी से एक लाख 50 हजार रुपए नगद और कई पीतल के बर्तन गायब थे। राघवेंद्र ने बताया कि वह ट्रैक्टर की किस्त के लिए यह रकम घर में रखे हुए थे। सिंहपुर थाना प्रभारी आर पी रावत के अनुसार कुल मिलाकर करीब 1.70 लाख रुपए की चोरी हुई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है। जिले में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इससे पहले पुलिस अधिकारियों के घरों में भी चोरी की वारदातें हो चुकी हैं।

खेतों में आगजनी से बचाव के लिए सिंहपुर मंडल में फायर ब्रिगेड की मांग

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

खेतों में आए दिन हो रही आगजनी की घटनाओं से परेशान किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए वरुण गुर्जर डिंकल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने सिंहपुर मंडल में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने बताया कि नागौद में वर्तमान में दो फायर ब्रिगेड हैं, जिनमें से एक काफी पुरानी हो चुकी है और तकनीकी रूप से अब सक्षम नहीं है,वरुण गुर्जर का कहना है कि सिंहपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर फायर ब्रिगेड न पहुँच पाने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की फसल और जीवन को सुरक्षित रखने के लिए सिंहपुर में एक नई और आधुनिक फायर ब्रिगेड की तैनाती की जाए।

जनजातीय समाज के योगदान पर कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)
Mediaauditor.in

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में " ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में जनजातीय नायकों के योगदान " विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया । कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पन्नालाल कोल जी विभाग संगठन मंत्री वनवासी विकास परिषद रीवा उपस्थित थे। इस अवसर पर आपने जनजातीय समाज के द्वारा किये गए संघर्ष को रेखांकित किया । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रामनिवास गुप्ता जी नगर अध्यक्ष वनवासी विकास परिषद जिला सीधी उपस्थित थे। आपने स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज के द्वारा दिये गए योगदान की चर्चा की । कार्यशाला में महाविद्यालय के डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने जनजातीय समाज के बारे में बताया । महाविद्यालय की छात्रा कुमारी अर्चना वर्मा ने जनजातीय समाज के नायक तिलका मांझी के संघर्षों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने की इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमे जनजातीय समाज की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यो से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है । कार्यशाला का सफल संचालन कार्यक्रम एवं बिषय प्रवर्तन संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया तो आभार प्रदर्शन सहसंयोजक डॉ. पंकज मिश्रा ने किया। कार्यशाला में महाविद्यालय परिवार से डॉ. आकांक्षा मिश्रा डॉ. संगीता मिश्रा डॉ कमलेश जायसवाल डॉ अनुराग तिवारी डॉ रामधारी जायसवाल डॉ सुरेंद्र गुप्ता डॉ ज्योति मौर्य डॉ निशा सिंह प्रो.प्रवीण कुमार डॉ. अमिता खरे डॉ संध्या वर्मा प्रो.बाबा हरिनन्द डॉ. राजेश पटेल श्री अनिल पटेल सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राए उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पक्षी मोर को बचाया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक घायल राष्ट्रीय पक्षी मोर को बचाया गया है। मोर को सोमवार को पनपथा बफर क्षेत्र के खुसरिया के जंगल में सड़क किनारे घायल अवस्था में पाया गया। बीटीआर की गश्त टीम ने मोर को तुरंत परिक्षेत्र कार्यालय पहुंचाया। वहां डॉक्टरों की टीम ने उसका इलाज शुरू कर दिया। परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर एस एस मार्को ने मंगलवार को बताया कि, मोर अब स्वस्थ है और उसकी लगातार निगरानी की जा रही है। मोर को चम्मच से पानी और भोजन दिया जा रहा है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उपसंचालक पीके वर्मा ने बताया कि टाइगर रिजर्व में सभी वन्य प्राणियों और पक्षियों की निगरानी की जाती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 558/ई-टेंडर/स्टोर/ न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 15.04.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	रेफरेंस क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3		5	6
1.	2025_UAD_416894_1 15.04.2025 [FIRST CALL] 558/15.04.2025	नगर पालिक निगम रीवा के कार्यालयीन कार्यों के सुचारू रूप से संपादन के लिए स्टेशनरी सामग्री की आपूर्ति एक वर्ष तक करने के लिए वार्षिक दर अनुबंध।	12 माह ₹ 7.51 लाख	₹2000.00 ₹7510.00	02.05.2025 18.00 बजे तक।

नोट:- नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सहायक आयुक्त स्टोर
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

क्या 'कोविशील्ड' के कारण हो रही हैं अचानक मौतें

बिना किसी बीमारी या चेतावनी के लगातार अचानक युवाओं की मृत्यु क्यों हो रही है? क्या यह कोविशील्ड के वैक्सीनेशन का दुष्परिणाम है? क्योंकि कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी ने सर्वोच्च अदालत में अब यह स्वीकार कर लिया है कि उनके इस वैक्सीन से खून के थक्के जमने की संभावना होती है। पिछले हफ्ते क्रिकेट खेलते एक युवा की अचानक मौत हो गई। अपने विदाई समारोह में कालेज में भाषण देते-देते एक 20 वर्ष की महिला अचानक मर गई। रामलीला में मंच पर हनुमान जी का किरदार निभाने वाले कलाकार की अचानक मंच पर ही मृत्यु हो गई। अपने विवाह में पति के गले में जयमाला डालते-डालते नववधू मर कर गिर गई। कोविड के बाद से पूरे देश में ऐसी मौतों की बाढ़ सी आ गई है। जिन जागरूक डाक्टर, वकील और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने कोविशील्ड वैक्सीन की क्षमता पर संदेह किया था और यह आरोप लगाया था कि बिना सही परीक्षण किए, जल्दबाजी में, प्रशासनिक दबाव बना कर जिस तरह पूरे देश में कोविशील्ड का टीकाकरण किया गया इससे लोगों की जान को भारी खतरा पैदा हो गया। मुंबई उच्च न्यायालय के वकील निलेश ओझा ने कोविशील्ड कंपनी और भारत सरकार के विरुद्ध मुंबई उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में जनहित के मुकद्दमे दायर करके वैक्सीन बनाने वाली कंपनी पर दबाव बनाया जिसके चलते इस कंपनी ने अपने वैक्सीन के दुष्परिणामों की संभावनाओं को अदालत में स्वीकार किया। इससे यह सिद्ध हो गया कि यह वैक्सीन बिना परीक्षण पूरा किए ही जल्दबाजी में पूरे देश पर थोप दिया गया। इन लोगों को और देश के तमाम जागरूक लोगों को इस बात से भारी नाराजगी है कि भारत की मौजूदा सरकार, ऐसी अचानक हो रही मौतों की न तो संख्या जारी कर रही है और न ही उसके कारणों की जांच करवा रही है। यह बहुत चिंता की बात है। इसी समूह से जुड़ी डा. सुसन राज जो मध्य प्रदेश के राजनांदगांव जिले में रहती हैं, उनका दावा है कि सारी मौतें कोविशील्ड वैक्सीन के कारण ही हो रही हैं। डा. सुसन राज हर उस व्यक्ति को, जिसने ये टीका लगवाया था, चेतावनी दे रही हैं कि वे यथा शीघ्र अपने शरीर को 'डिटॉक्स' (विषमुक्त) कर लें जिससे कोविशील्ड वैक्सीन के संभावित दुष्परिणामों से बचा जा सके। 'डिटॉक्स' करने की ट्रेनिंग वह जूम कॉल पर दुनिया भर के हजारों लोगों को दे चुकी हैं। उनकी यह प्रक्रिया इतनी सरल है कि कोई भी व्यक्ति देश-दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न बैठा हो वह डा. सुसन राज से जूम कॉल पर खुद को विषमुक्त करने का तरीका सीख सकता है। यह तकनीक बहुत सरल है और घर बैठे अपना ट्रीटमैंट किया जा सकता है।

एक रोचक तथ्य यह है कि हमारे आपके सामाजिक दायरे में जिन लोगों ने कोविशील्ड वैक्सीन नहीं लगवाई थी वे आज भले चंगे हैं। जिन्होंने लगवाई थी उनमें से बहुत सारे लोगों को अजीबो-गरीब बीमारियां शुरू हो गई हैं।

वफ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि नहीं चेते तो अंजाम और भी बुरे होंगे!

वफ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि हमारा प्रशासन समय रहते ही नहीं चेता तो आने वाले दिनों में अंजाम और भी बुरे होंगे, इतिहास इसी बात की चुगली कर रहा है! यह नसीहत क्रूर वक्त हमें बार-बार दे रहा है, लेकिन हमलोग ऐसे घिसे पिटे आदर्शवादी हैं कि उसे समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं7 इसलिए आज मैं इतिहास की अंगड़ाई में सुलगते हुए वर्तमान के कुछ कटु सत्य को उद्घाटित कर रहा हूँ ताकि हमारे राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की कुभकर्णी निंद्रा टूटे और वो विधि-व्यवस्था के लिहाज से अपने मौलिक कर्तव्य न भूलें। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को क़ानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया और कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए।

इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्पदायिक विभाजन तक की नौबत आई7 इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। लेकिन भारत के गाँधी-नेहरु जैसे अव्यवहारिक आदर्शवादी राजनेताओं ने आजाद भारत में हालत बदलने के उलट उन्हीं घिसे-पिटे कानूनों को भारतीयों पर थोप दिया, जो आज तक अशांति का सबब बन चुकी हैं। पहले कांग्रेसियों, फिर समाजवादियों और अब राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए।

मसलन, बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। सबों ने उस 'निर्जीव भारतीय संविधान' का महिमा मंडन किया और कर रहे हैं जिसने पदासीन लोगों को वेतन-भत्ते-पेंशन और देशवासियों से लूट-खसोट की तो गारंटी दी, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए और न ही न्यायपालिका ने इस प्रशासनिक प्रवृति पर कभी सवाल उठाए। हद तो यह कि न्याय के नाम पर मामलों को वर्षों तक लटकाने वाली न्यायपालिका, नेताओं के इशारों पर उलटे-सीधे कार्य करने की अभ्यस्त हो चली कार्यपालिका और नेताओं-कारोबारियों की अघोषित सांठगांठ से जहाँ सत्ताधारी जमात मौज में रहता आया है, वहीं आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है। एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भूभाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है।

हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालत पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं। यदि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत तक के ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों की बात छोड़ भी दी जाए तो अयोध्या रामजन्म भूमि आंदोलन, फिर सीएए और अब वक्फ कानून की आड़ में पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर या फिर चीन-अमेरिका-इंग्लैंड से शह प्राप्त अन्य मुस्लिम देशों के इशारे पर भारत में जो अशांति फैलाते हैं, इसका ताजातरीन उदाहरण पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद इलाका है, जो इन दिनों इस्लामिक उत्पात से जल रहा है।

दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। इसके दृष्टिगत वह लगातार सतर्कता बरत रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय कोई जोखिम नहीं उठा रहा है। केंद्र बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जहां वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों की खबरें आई हैं। इसका उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी कारक की पहचान करना और संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें शुरू में ही समाप्त कर दिया जाए।

बताया जाता है कि यदि राज्यों से मांग की जाती है, तो उन्हें बिना किसी देरी के केंद्रीय बल मुहैया कराए जाएंगे, ताकि ऐसी सांप्रदायिक हिंसा को रोका जा सके। इसी उद्देश्य से मुर्शिदाबाद में भी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अदालत के निर्देश पर पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती की गई, जिससे सांप्रदायिक झड़पों पर लगाम लगी। अधिकारी ने कहा कि वहां अब कोई नई हिंसा नहीं हुई है। गत शनिवार को मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक झड़पों के मद्देनजर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर स्थिति का आकलन किया। इसके साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार की।

दरअसल डीजीपी ने केन्द्रीय गृह सचिव को जानकारी देते हुए कहा कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है और स्थानीय स्तर पर तैनात बीएसएफ कर्मियों की मदद ली जा रही है। वहीं सांप्रदायिक हिंसा में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में शनिवार को 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुर्शिदाबाद में स्थानीय स्तर पर मौजूद करीब 300 बीएसएफ कर्मियों के अलावा राज्य सरकार के अनुरोध पर पांच अतिरिक्त कंपनियां वहां भेजी गईं हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हुए।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस हिंसा की साजिश तीन महीने पहले रची गई थी और पाकिस्तान के दोस्त तुर्कीए से फंडिंग की गई थी7 हमलावरों को लूटपाट के लिए 500 रुपये दिए गए थे और साजिशकर्ताओं ने लक्ष्य दिया था कि पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसा बनाना था7 यही वजह है कि वक्फ कानून के विरोध पश्चिम बंगाल में भारी हिंसा देखने को मिली7 जहाँ मुर्शिदाबाद में हिंसा में 3 लोगों की मौत हुई, वहीं सैकड़ों लोग घायल हुए। आलम यह है कि कई लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह ठिकाना लेना पड़ा है। यहाँ हिंसा को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा बल को तैनात करना पड़ा7 इसके साथ ही हिंसा वाले इलाके में कड़ा पहरा है।इस बीच मुर्शिदाबाद दंगा मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। भारतीय जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी7 लगभग पिछले 3 महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, क्योंकि इसके लिए विदेशों से फंडिंग की गई थी। पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है।

दरअसल दो महीने पहले एटीबी के दो जाने-माने सदस्य मुर्शिदाबाद आए और कहा कि एक बड़ी दावत होगी। वे ट्रिगर पॉइंट का इंतजार कर रहे थे। प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं। लेकिन वक्फ बिल ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया। इन्हें ट्रेनों को बाधित करना, सरकारी संपत्ति को खत्म करना, हिंदुओं की हत्या करना, घरों को लूटना आदि पहला टारगेट दिया गया था। तब हमलावरों से कहा गया था कि जितनी ज्यादा चीजों को खराब करेंगे, उन्हें उतना ही ज्यादा पैसा दिया जाएगा। शुरू में एक सूची बनाई गई थी कि यदि वे अपने किए का ब्यौरा देंगे तो उन्हें कितना धन दिया जाएगा

ट्रम्प ऐसी दुनिया के पक्षधर हैं जिसमें अमरीका दूसरों से अलग हो

ट्रम्प के समय में विश्व व्यवस्था में जो दर्दनाक मोड़ आ रहा है, उसका तब तक कोई मतलब नहीं बनता, जब तक कि कोलाहल से कोई नीतिगत बयान न निकाला जाए। म्यूनिख यूरोपीय सुरक्षा सम्मेलन में 14 फरवरी को दिए गए भाषण में अमरीकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस द्वारा यूरोप को फटकार लगाना ऐसा ही एक बयान है। उन्होंने कहा, ''यूरोप के दुश्मन रूस या चीन नहीं हैं, दुश्मन तो अंदर ही है।'' यूरोप अपने ही लोगों से डर रहा था, उसके मतदाता उन पार्टियों की ओर जा रहे थे, जिनसे यूरोपीय प्रतिष्ठान भी नाखुश था। उन्होंने उन नेताओं का स्पष्ट संदर्भ दिया, जिन्हें इस बहुत महत्वपूर्ण सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था। अपने आशय को स्पष्ट करते हुए, वेंस 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' के नेता से मिलने गए, जो कि दक्षिणपंथी अप्रवासी विरोधी पार्टी है, जो हाल के चुनावों से पहले लोकप्रियता के मामले में आगे बढ़ रही थी। सभी अन्य अलग-अलग राजनीतिक दल 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' के खिलाफ 'दीवार' बनाने के लिए एक साथ आए। वेंस के अनुसार, यह लोकप्रिय उछाल को विफल करने का सटीक तरीका है। पाठकों को उबासी आ सकती है क्योंकि ट्रम्प ने हजारों निर्णयों और अनिर्णय के साथ ब्रह्मांड को हिला दिया है, जिसे उनका अगला पग उलट देगा। लेकिन मेरी बात पर ध्यान दें कि वेंस का भाषण, एक मार्कर है।

मैंने म्यूनिख सम्मेलन को एक उद्देश्य के साथ फिर से देखा है। यह वेंस द्वारा किया गया एक अकेला विस्फोट नहीं था। यह ट्रम्प के वैचारिक गुरुओं और साथियों द्वारा यूरोपीय संघ को कमजोर करने, यूरोपीय देशों में 'राष्ट्रवाद' को बढ़ावा देने और वैश्वीकरण के गुब्बारे को पंक्चर करने की प्रक्रिया की निरंतरता थी, जो राष्ट्र और राष्ट्रवाद को कमजोर करता है। नई व्यवस्था में रणनीति के रूप में भयानक टैरिफ का उल्लेख नहीं किया गया था, जैसा कि वेंस के भाषण में था, जिसे यूरोपीय दिग्गजों से भरे हॉल ने खुले मुंह से आश्चर्य से सुना। यह सब शुरू से ही दिन के उजाले की तरह स्पष्ट था, लेकिन आप इसे नहीं देख पाए क्योंकि पश्चिमी मीडिया, जिसे भारतीय मीडिया सुस्ती से फॉलो करता है, ने कहानी पर अपने कैमरे बंद कर दिए थे। 2016 में, यह हिलेरी क्लिंटन के चंगुल में था, जो ट्रम्प के खिलाफ सबसे आगे चल रही थीं। इसी कारण से, यह 2016 के पूरे अभियान में 'रूसी हस्तक्षेप' का लक्ष्य था। जब अमरीकी डीप स्टेट को हिलेरी क्लिंटन को हराने के लिए चुनावों में 'प्रभावी रूप से' हस्तक्षेप करने वाले रूसियों पर हाथ मलते हुए देखा गया, तो अमरीकी लोकतंत्र कितना खस्ता नजर आया और मीडिया इन कहानियों को पूरी तरह से निगल रहा था। मैंने उस कहानी को करीब से देखा।

2013 के आसपास, समानांतर एजेंडे वाले 2 महारथी एक यूरोपीय राजधानी से दूसरी राजधानी में पश्चिमी पूंजीवाद द्वारा बनाए जाने वाले वास्तुकला के प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोणों को बढ़ावा देते हुए घूम रहे थे। परोपकारी व्यक्ति जॉर्ज सोरोस, एक विपरीत रास्ते पर थे। वह वैश्वीकरण को मजबूत करने के लिए, उदार मोड में यूरोपीय संघ के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने ब्रैग्जिट को रोकने के लिए हरसंभव कोशिश की। उनका 'खुला समाज', 'बंद' और गोलाकार नहीं था; यह बैले डांसर की तरह मंच से उछल पड़ा था। ब्रैग्जिट ने ट्रम्प के टैरिफ के बाद की तरह ही दहशत भरी सुर्खियां बनाईं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने चिल्लाते हुए इसे 'एक आपदा' कहा। लंदन में 'वैश्विक दहशत' अधिक उदारवादी शीर्षक था। जबकि सोरोस ब्रैग्जिट पर विलाप कर रहे थे, स्टीव बैनन बेसुध थे। 2017 में उन्होंने ब्रसेल्स में जिस दक्षिणपंथी समूह को औपचारिक रूप से पंजीकृत किया था, उसका नाम 'द मूवमैंट' रखा गया था, जो सोरोस के ओपन सोसायटी के विपरीत था। इसमें हंगरी के विक्टर ओर्बन, फ्रांसेस की मरीन ले पेन, इटली के माटेओ साल्विनी, ब्रिटेन के निगेल फरेज, नीदरलैंड के कट्टर यूरो संदेहवादी, गर्ट विल्टर्स और कई अन्य लोगों को शामिल किया गया।

इनमें से कुछ नेता 'द मूवमैंट' के अमरीकी प्रायोजन के कारण थोड़े झिझक रहे हैं। उन्हें एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। किस तरह के संकरे राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया जा रहा था जिसमें एक अमरीकी स्टीव बैनन की मुख्य भूमिका है। इस मुद्दे को सुलझाया जा रहा है, लेकिन व्यापक वैचारिक रेखा एक जैसी है। नेतन्याहू और अमरीका में उनके समर्थकों और वहां इसराईली लॉबी के चेहरों पर लगे 'इस्लामीकरण विरोधी' नरसंहार के दाग को हटाने में मदद करने के लिए ब्रश किया जाएगा। जर्मनी के विकल्प ने इस पर तब से सबसे अधिक दृढ़ता से पकड़ बनाई है, जब से एंजेला मर्केल ने एक पादरी की बेटी के रूप में अपनी प्रवृत्ति का पालन करते हुए, अपने देश में बाहरी रूप से लगाए गए गृहयुद्ध से भाग रहे सीरियाई शरणार्थियों के लिए मानवीय रूप से द्वार खोले।

ट्रम्प ने कोई शब्द नहीं छिपाए। उनका उच्च डेसीबल नारा (रूत्र) उनका वैश्वीकरण विरोधी अभियान था। पनामा, ग्रीनलैंड, कनाडा के मूर्खतापूर्ण अधिग्रहण से कुछ साल पहले एक और भी मूर्खतापूर्ण योजना बनाई गई थी, जिसमें 'अफगानिस्तान को उसी तरह से प्रशासित किया जाना था, जैसे ब्रिटिशों ने एक वायसराय के तहत भारत को चलाया था।'

'आधिपत्य पतन की ओर है और वह एक गिरते हुए तारे की तरह नीचे आ रहा है' यह थकाऊ नारा एक और परेशानी थी, जिससे निपटने के लिए रूत्र काम आया। पुरानी विश्व व्यवस्था पर शोक संदेश लिखे जाने से पहले ट्रम्प ने पिच को खोदने और एक बिल्कुल नया खेल शुरू करने का फैसला किया है। विश्व व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा, जो उनके विचार में अब विलुप्त हो चुकी है।

हाथियों ने 17 दिन में 7 लोगों को कुचलकर मार-डाला

महिला को सूंड से उठाककर पटका, साथियों ने भागकर बचाई अपनी जान

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बुधवार को महुआ बीनने गई एक महिला को दंतैल हाथी ने पटक-पटककर मार डाला, जबकि कई महिलाओं ने भागकर अपनी बचाई। महिलाएं महुआ बीनने के लिए गई थी, तभी हाथी ने हमला किया। मामला वाड्रफनगर थाना क्षेत्र के पोकली जंगल का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाली महिला का नाम यशोदा दास (58) है। वह वाड्रफनगर ब्लॉक के स्याही गांव की रहने वाली थी। ये दोनों हाथी जशपुर और झारखंड इलाके से घुसे हैं। झारखंड से घुसे दंतैल हाथी ने 5 लोगों की और जशपुर से घुसे हाथी ने 2 की जान ली है। दरअसल, यशोदा दास हमेशा की तरह बुधवार सुबह भी महिला साथियों के साथ महुआ बीनने के लिए पोकली महुआ जंगल गई थी। जंगल में महुआ बीनने के लिए करीब 7 किलोमीटर अंदर चली गई थी। इसी इलाके में हाथियों का डेरा है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक यशोदा महुआ बीन रही थी, तभी दंतैल हाथी पहुंच गया। इस दौरान बाकी महिलाएं दौड़कर भाग निकलीं, लेकिन यशोदा नहीं भाग सकी। हाथी ने उसे दौड़ाकर सूंड से उठाकर पटका और कुचल दिया। घटना की सूचना पर वाड्रफनगर फॉरेस्ट एसडीओ अनिल सिंह पैकरा के साथ रेंजर और वनकर्मी मौके पर पहुंचे। महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एसडीओ अनिल सिंह पैकरा ने बताया कि, यह हाथी झारखंड से बलरामपुर जिले में घुसा है। रामानुजगंज वन परिक्षेत्र से होते हुए वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में यह हाथी विचरण कर रहा है। मंगलवार को भी वन अमले ने स्याही, रजखेता, वाड्रफनगर, कोटराही, करमडीहा समेत आसपास के गांवों में मुनादी कराकर हाथी की मौजूदगी की जानकारी दी थी।

SDO पैकरा ने बताया कि, मुनादी कराने के बावजूद बुधवार सुबह यशोदा दास का बेटे उसे बाइक पर बैठाकर जंगल ले गया था। जहां घटना हुई है, वहां से यशोदा का घर करीब 7 किलोमीटर दूर है। सरगुजा संभाग में हाथियों के हमले में मौत की संख्या महुआ और तेंदूपत्ता के सीजन में बढ़ जाती हैं। 31 मार्च झारखंड से आए दंतैल हाथी ने रामानुजगंज क्षेत्र के फुलवार गांव में उस्मान अंसारी 50 और अस्मीना अंसारी 45 पर हमला कर दिया। अंबिकापुर में मिशन हॉस्पिटल में देर रात पत्नी अस्मीना की मौत हो गई। इलाज के दौरान पति उस्मान ने भी दम तोड़ दिया था। अप्रैल रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के रामपुर में हाथी ने महुआ बीनने गए दुर्गा प्रसाद 48 को कुचल दिया था। वो अंबिकापुर कमिश्नर ऑफिस में चपरासी था। हाथी के हमले में दुर्गा प्रसाद की मौके पर मौत हो गई थी। शंकरगढ़ क्षेत्र में महुआ बीनने गई गिद्दी कोरवा 50 को हाथी ने मार डाला। हालांकि इस घटना में जशपुर से बलरामपुर जिले में घुसा दूसरा हाथी था। जशपुर से घुसे हाथी ने बलरामपुर जिले के घाघरा में खेत में पानी देने गए युवक को हाथी ने कुचल दिया। झारखंड से आए दंतैल हाथी ने रामानुजगंज के चाकी में देवलाल को दौड़ाकर पकड़कर फेंक दिया, जिससे जान चली गई। झारखंड से आए दंतैल हाथी ने पोकली महुआ जंगल में महुआ बहनने गई महिला को कुचलकर मार डाला था।

मनेंद्रगढ़ में विकास कार्यों की समीक्षा, आवास में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

भरतपुर मनेंद्रगढ़ और खड़गवां जनपद पंचायत में मनरेगा राज्य कार्यालय के अपर आयुक्त और कार्यपालन अभियंता शिवकुमार सिन्हा ने दौरा किया। उन्होंने तकनीकी सहायक गोपाल हिरवानी के साथ क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। फील्ड विजिट के बाद जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए। विशेष रूप से आजीविका विकास गतिविधियों को मनरेगा से जोड़ने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना में धीमी प्रगति को देखते हुए अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने और प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के तहत निर्मित कई परियोजनाओं का जायजा लिया गया। इनमें स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने सामुदायिक शौचालय, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र व्यक्तिगत सुकर पालन शेड, कुएं, सामुदायिक मत्स्य पालन तालाब और पक्का चेक डैम शामिल थे। साथ ही नए आंगनबाड़ी भवन, अमृत सरोवर तालाब और नर्सरी का भी निरीक्षण किया गया। वहीं बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आरईएस के अनुविभागीय अधिकारी और मनरेगा व प्रधानमंत्री आवास योजना की पूरी टीम मौजूद थी।

छ.ग. वक्फ की 500 करोड़ की संपत्ति की फर्जी रजिस्ट्री

देशभर में वफ संपीयों का सर्वे करा रही केंद्र सरकार

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर. नए वक्फ विधेयक 2025 के तहत केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ समेत देशभर में वक्फ संपत्तियों का सर्वे करा रही है। इन सभी के बीच छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ से ऊपर की वक्फ की संपत्ति की फर्जी रजिस्ट्री का खुलासा हुआ है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने जानकारी दी है। डॉ. सलीम राज ने बताया कि फर्जी रजिस्ट्री कराने वालों में लक्ष्मी इलेक्ट्रिकल्स, ए-टू-जेड बेकरी, पगारिया ज्वेलर्स समेत 14 लोग शामिल हैं। साथ ही अवैध कब्जा करने वाले 400 लोगों को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही सभी जिलों के कलेक्टर्स को विवादित संपत्ति की रजिस्ट्री शून्य कराने के लिए पत्र लिखा है। सलीम राज ने बताया कि अभी पंजीकृत 500 करोड़ की संपत्ति पर ही दावा किया है। गैर पंजीकृत संपत्ति जो वक्फ बोर्ड की है, उसका चिह्नांकन किया जा रहा है। आगे आने वाले दिनों में इन संपत्तियों को वक्फ बोर्ड के अंडर में लेने के लिए इसी प्रक्रिया को दोहराया जाएगा। सलीम राज ने बताया कि वक्फ की संपत्ति को खाली कराने के लिए नोटिस जारी किया है, ताकि संपत्तियों को वक्फ बोर्ड के कब्जे में किया जा सके। साथ ही बताया कि मध्यप्रदेश शासन काल में कुछ लोगों ने वक्फ से संपत्ति को किराए में लिया था, लेकिन अब उसे खुद की संपत्ति बता रहे हैं। सलीम राज ने बताया कि सभी जिले के SP को सुरक्षाबल मुहैया कराने के लिए भी पत्र लिखा है। पत्रों में वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने पूरे मामले को 21 दिन में निराकरण कराने की अपील की है। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि मकसूद खान ने मोवा मस्जिद के पास अवैध तरीके से कब्जा किया है। इसके अलावा एवन बेकरी ने पुरानी मद्रासी बिल्डिंग और फैजल खान पठान बाड़ा पर अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है।

रशियन गर्ल को रायपुर में मिली जमानत...

ड्राइविंग नहीं आती, बावजूद फंसाया गया, रोड एक्सीडेंट में हुई थी युवक की मौत

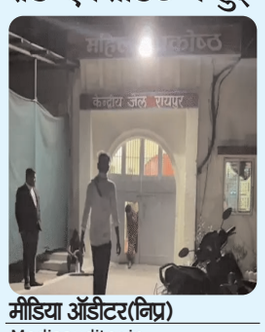

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर के VIP रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत मामले में 'रशियन' गर्ल को जमानत मिल गई है। जिसके बाद युवती सेंट्रल जेल से बाहर आ गई है। हालांकि, उसे देश से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी। युवती का पासपोर्ट अब भी पुलिस के पास जब्त है। इस मामले में युवती के वकील का कहना है कि उसे कार ड्राइविंग भी नहीं आती। इसके बावजूद उसे एक्सीडेंट केस में गैर इरादतन हत्या के मामले में फंसाया गया। इस मामले में युवती के वकील अनुराग गुप्ता ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि पुलिस की जांच पड़ताल में कई खामियां थीं। जिसे हमने कोर्ट में रखा। कोर्ट ने हमारे सभी तर्कों को सुनने के बाद विदेशी महिला को जमानत दी है। वकील ने बताया कि फिलहाल पुलिस के पास ऐसे कोई पुख्ता सबूत नहीं है, जिससे साबित हो कि गाड़ी युवती चला रही थीं। वह को-पैसेंजर थी। उसे गाड़ी ड्राइविंग करने नहीं आती है। विदेश मंत्रालय के जरिए इसकी पुष्टि भी की जानी थी। युवती के वकील गुप्ता ने बताया कि तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान वियना कन्वेंशन का पालन नहीं किया। यह एक इंटरनेशनल संधि है। इसमें कहा गया है कि कोई भी देश के नागरिक को गिरफ्तार करने के दौरान दूतावास को जानकारी देनी चाहिए। लेकिन इस मामले में पुलिस ने बहुत देरी की। इसके अलावा युवती की गिरफ्तारी के दौरान पूरी कार्रवाई हिंदी भाषा में की गई। जो उसकी समझ से परे थी। अरेस्ट मेमो भी इंग्लिश में नहीं थे। इस लैंग्वेज ग्राउंड के तर्क हमने कोर्ट में रखे।

अवैध कब्जे पर बने 23 मकानों पर चलाया बुलडोजर

बिलासपुर में 10 एकड़ जमीन कब्जा मुक्त, रतनपुर में 60 डिसमिल सरकारी जमीन का डायवर्सन निरस्त

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

23 मकानों पर चला बुलडोजर

इस कार्रवाई के दौरान अवैध कजा कर बनाए गए 23 पके मकानों को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। जिनका मकान तोड़ा गया है उनमें श्यामबाई, पूनम पांडेय, प्रमीला यादव, पोस्टमेन, महंगुराम, नरेंद्र, अरुण बघेल, रामायण, ईश्वरी, दुर्गेश साहू, गोपी गोस्वामी, हजारीलाल, राजकुमार शुला, फागूराम, बरातू मानू, जनऊ, बनऊ, धनऊ, अर्जुन, दिलीप, सुंदर व अन्य लोग शामिल हैं। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

बिलासपुर में जिला प्रशासन और राजस्व विभाग ने सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने बड़ा एक्शन लिया है। शहर से लगे बिरकोना में 10 एकड़ सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया है। यहां बने 23 मकानों पर बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। वहीं, दूसरी तरफ रतनपुर क्षेत्र में 60 डिसमिल सरकारी जमीन के डायवर्सन आदेश को निरस्त कर उस पर हो रहे निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है। दरअसल, नगर निगम क्षेत्र में शामिल बिरकोना में शासकीय भूमि पर 23 परिवारों ने पक्के मकान बनाकर कब्जा कर लिया था। शिकायत के बाद कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई और जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिस पर एसडीएम मनीष साहू ने जांच कर प्रतिवेदन दिया। जिसके बाद तहसीलदार गरिमा ठाकुर, जोन कमिश्नर, राजस्व अमले और पुलिस बल के साथ संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इससे पहले कब्जाधारियों को नोटिस देकर 9 अप्रैल को बेदखली का अंतिम आदेश भी दिया गया था, लेकिन तय समय सीमा में कब्जा नहीं हटाए जाने पर प्रशासन ने सख्ती से बेजा कब्जा मुक्त कर जमीन को मुक्त कराया। मंगलवार को टीएल बैठक में कलेक्टर अवनीश शरण को पता चला कि रतनपुर तहसील के ग्राम घांसीपुर में पूर्व एसडीएम कोटा युगल किशोर उर्वसा ने 22 नवंबर 2024 को 60 डिसमिल सरकारी जमीन के डायवर्सन का आदेश दिया था, जिस पर उन्होंने डायवर्सन आदेश को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। खसरा नंबर 61/10 रकबा 2.023 एकड़ में से 0.60 एकड़ भूमि पर किए गए डायवर्सन के खिलाफ शिकायत प्राप्त होने के बाद जांच शुरू की गई। इसमें यह तथ्य सामने आया कि भूमि राजस्व अभिलेखों में बड़े झाड़ का जंगल श्रेणी में दर्ज है, जो निस्तार पत्रक से पृथक नहीं की गई थी। साथ ही मिसल रिकार्ड से इसका रकबा अधिक पाया गया। इन आधारों पर अतिरिक्त कलेक्टर से पुनर्विलोकन की अनुमति ली गई। जांच के बाद जानकारी होने के डायवर्सन को निरस्त किया गया है। कब्जाधारी ने जांच के दौरान अपने जवाब में बताया कि यह भूमि उन्हें बतौर भूतपूर्व सैनिक 1983 में पट्टे पर मिली थी, लेकिन राजस्व रिकार्ड में इसका उल्लेख सरकारी जमीन के रूप में ही पाया गया। दस्तावेज के दोबारा परीक्षण में भी यह स्पष्ट हुआ कि भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के नाम पर ही कायम है। इन तथ्यों को देखते हुए 22 नवंबर 2024 को पारित डायवर्सन आदेश को निरस्त कर दिया गया और निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी गई है।

सरकारी जमीन पर अवैध कजा बर्दाश्त नहीं...

जिला प्रशासन और राजस्व विभाग के अफसरों ने साफ कहा है कि, अब जिले में सरकारी जमीन पर अवैध कजा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी भूमि को खाली कराना प्रशासन की प्राथमिकता में है। इस दिशा में आगे भी सत कार्रवाई जारी रहेगी। बिरकोना में 10 एकड़ सरकारी ज़मीन से अवैध कजा हटाया गया है। बेजाकजा धारियों पर आगे की ऐसी कार्रवाई होती रहेगी।

जमीन का डायवर्सन कैसे अवैध

डायवर्सन का अर्थ होता है कृषि भूमि का गैर-कृषि उपयोग में परिवर्तन। पर यदि भूमि शासकीय हो, निस्तार से पृथक न हो या वन मद में दर्ज हो, तो उस पर किया गया डायवर्सन अवैध माना जाता है। मामले में यदि समय रहते पुनर्विलोकन न होता, तो यह भूमि निजी स्वामित्व में चली जाती।

जैविक खेती से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

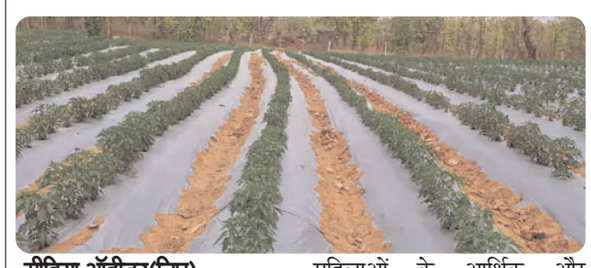

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरिया छत्तीसगढ़ के MCB जिले में सोनहत विकासखंड के ग्राम केशगंवा की महिलाएं जैविक खेती से नई मिसाल कायम कर रही हैं। स्व-सहायता समूह की 20 महिलाओं ने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से एक अनूठी पहल की है। उन्होंने 3 एकड़ जमीन पर बिना किसी रासायनिक खाद और कीटनाशक के सब्जियों की खेती शुरू की है। महिलाएं करेला, टमाटर, मिर्ची और लौकी जैसी मौसमी सब्जियों की खेती कर रही हैं। खेतों में लहलहाती फसल से इन महिलाओं के चेहरे खिल उठे हैं। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने हाल ही में इन खेतों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में मददगार साबित होगा। महिलाओं का कहना है कि उनकी जैविक सब्जियां बाजार की सामान्य सब्जियों से अधिक स्वादिष्ट और पौष्टिक हैं। वे इन सब्जियों को स्थानीय थोक मंडियों और फुटकर विक्रेताओं को बेचेंगी। इससे उन्हें नियमित आय मिलेगी। महिला सदस्य ने बताया कि पहले वे घर तक ही सीमित थीं। कलेक्टर के मार्गदर्शन और अपनी मेहनत से अब वे किसान बन गई हैं। यह पहल न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद करेगी। महिलाएं अब खुद को किसान कहने में गर्व महसूस कर रही हैं।

श्मशान में लड़की को बैठाकर हो रही थी तांत्रिक क्रिया

उत्तरप्रदेश-बिहार से आए थे पुजारी, पीपल के नीचे देर रात हो रहा था तंत्र-मंत्र

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में उत्तरप्रदेश और बिहार से पंडित बुलाकर तांत्रिक क्रिया करा रहे 6 से ज्यादा लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इस दौरान बलि का आरोप लगाकर बड़ी संख्या में भीड़ ने जमकर हंगामा मचाया। मामला कोना थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक 4-5 पुजारी श्मशान घाट के पास पीपल पेड़ के नीचे एक लड़की को बैठाकर पूजा-पाठ कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस पहुंची। बवाल के बीच पुजारी और पूजा कराने वालों को पकड़कर थाने ले आई। उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। कोनी टीआई किशोर केंवट ने बताया कि ग्राम निरतू के लोगों ने गांव के बाहर पीपल पेड़ के नीचे तंत्र-मंत्र और बलि का आरोप लगाकर थाने में सूचना दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब पीपल पेड़ के नीचे एक लड़की के साथ महिलाएं थीं। वहां पुजारी भी थे, जो पूजा-पाठ कर रहे थे। पूछताछ में पता चला कि चकरभाठा क्षेत्र के ग्राम छतौना निवासी राकेश कौरव 50 की बेटी बीमार रहती है, जिसका वो इलाज करा रहा है। लेकिन, उसकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हो रहा है। इस पर उसे किसी ने पूजा-पाठ कराने की सलाह दी थी। पूछताछ में राकेश ने पुलिस को बताया कि उसके घर में उत्तरप्रदेश और बिहार से पुजारी आएं हैं, जो पिछले तीन दिन से पूजा-पाठ कर रहे हैं। उन्हें गांव के बाहर पीपल पेड़ की पूजा करनी थी। इसके चलते वो पीपल पेड़ देखकर पूजा कराने आए थे, लेकिन गांववालों ने बवाल शुरू कर दिया। लोगों ने बताया कि यहां गांव के बाहर श्मशान घाट में पीपल पेड़ के नीचे तांत्रिक क्रिया की जा रही थी, जहां नींबू, मिर्च, सिंदूर और सब्बल रखा हुआ था। पीपल पेड़ के नीचे लड़की को बैठाकर सब्बल गड़ाया गया था। इसे लेकर लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। गांव के लोगों का आरोप है कि पीपल पेड़ को कुल्हाड़ी से काटकर कील ठोका जा रहा था। रात में इस तरह से लोगों के साथ पुजारियों के बीच लड़की को देखकर उन्हें बलि की आशंका हुई। इसके बाद मौके पर गांव के लोगों की भीड़ जुटी। मामले में पुलिस ने बताया कि भीड़ के बीच से सभी को पुजारियों को छुड़ाकर थाने लाया गया। इसमें छतौना निवासी राकेश कौरव, नरसिंहपुर के चिचौली निवासी आकाश कौरव 32, उत्तरप्रदेश के देवरिया जिले के रूद्रपुर निवासी पुजारी योगेश पांडेय 32 को हिरासत में लिया गया।

मुख्य गेट पर चढ़कर की नारेबाजी

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के हस्स्‍ कैंप में हिंदू छात्रों को जबरन नमाज पढ़ाने के विरोध में हिंदूवादी संगठनों विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। प्रशासनिक भवन के मुख्य गेट पर चढ़कर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस से झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने वाइस चांसलर को हटाने की मांग करते हुए "त्रत्र नहीं बनेगा JNU" जैसे नारे लगाए। बता दें कि हस्स्‍ कैंप के दौरान ईद पर नमाज पढ़ाने का मामला सामने आने के बाद कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने NSS कोआर्डिनेटर को पद से हटा दिया है। वहीं, फैक्ट फाइंडिंग कमेटी मामले की जांच कर रही है। दूसरी तरफ SSP रजनेश सिंह ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, अब तक यूनिवर्सिटी ने कोई जवाब नहीं दिया है। इस मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथ ही हिंदू सनातनी समाज ने यूनिवर्सिटी को JNU बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में हिंदू संगठनों ने बुधवार को यूनिवर्सिटी परिसर का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। बता दें कि छात्रों ने आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की है, जिसमें उन्होंने कहा कि उनको मुस्लिम धर्म में कन्वर्ट कराने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। इस बहाने उनका ब्रेन वॉश भी किया गया।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मां-बेटी की हत्या

आईजी पुसौर पहुंचे और बारीकी से की पूरे मामले की जांच

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मां-बेटी की हत्या हो गई। अज्ञात आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। इस मामले को लेकर बिलासपुर रेंज के आईजी डॉ. संजीव शुक्ला पुसौर पहुंचे और बारीकी से पूरे मामले की जांच की। हालांकि, अभी इसे लेकर पुलिस अधिकारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। पुसौर के गायत्री मंदिर के पास रहकर रोजी मजदूरी करने वाली उर्मिला सवंरा और उनकी बेटी पूर्णिमा संवरा की हत्या की गई। ऐसे में इस बात की चर्चा है कि यह मर्डर लूट और चोरी की नीयत से नहीं की गई है, बल्कि मामला कुछ और ही है। बुधवार को बिलासपुर रेंज आईजी डॉ संजीव शुक्ला मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली। यही नहीं निर्माणाधीन पीएम आवास घर के ऊपर के साथ ही आसपास का भी निरीक्षण किया गया। ताकि हत्या से जुड़ा कुछ क्लू पुलिस के हाथ लग सके। बताया जा रहा है कि डबल मर्डर की इस गुत्थी को सुलझाने के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई है। यह भी बताया जा रहा है कि मृतका पूर्णिमा संवरा की शादी केनसरा गांव में तय हुई थी। वहीं इस एंगल को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। हालांकि इस पर कोई कुछ स्पष्ट तौर पर नहीं बता रहा है, लेकिन गांव में कई तरह की चर्चाएं जरूर हैं। मृतका की बहन कल्पना संवरा ने बताया कि उसकी बड़ी बहन गांव में कपड़ा दुकान में काम करती थी। उसने बताया कि किसी से कोई पुरानी दुश्मनी नहीं थी। कल्पना फर्स्ट ईयर की पढ़ाई करने के साथ ही डांस प्रतियोगिता में डांस करने जाती थी। अभी 9 अप्रैल से लगातार डांस प्रतियोगिता के लिए जा रही थी। घटना वाली रात भी वह कलमी गांव में डांस प्रतियोगिता में शामिल होने गई थी। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम ने बताया कि बिलासपुर रेंज आईजी आए थे। मौका मुआयना किया गया। मामले में अलग-अलग टीम बनाकर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पुलिस पकड़ लेगी। फिलहाल जांच जारी है। एसपी दिव्यांग पटेल के मुताबिक हत्या सोमवार रात में हत्या की गई है। मां-बेटी के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। सुबह पुलिस को सूचना मिली। पूछताछ जारी है। सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल एंगल से भी जांच जारी है। मौके से एक बैट बरामद किया गया है।

लकड़ी से भरा ट्रक पलटा, एक की मौत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायगढ़. छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में लकड़ी से भरा एक माजदा वाहन पलट गया। इससे वाहन के इंजन में दबने से चालक की मौके पर मौत हो गई और खलासी घायल हो गया। घटना कापू थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक मुंगेली थाना क्षेत्र के खर्रीपारा का रहने वाला मनोज गंधर्व 39और खलासी शुभम 26 रविवार को माजदा वाहन में बेमेतरा से गुड़ लेकर पत्थलगांव आया था। जहां गुड़ को खाली करने के बाद किलकिला के पास किसी गांव से सेमर का लकड़ी लोड किया। इसके बाद मंगलवार रात माजदा वाहन में लोड सेमर लकड़ी को लेकर रायपुर जा रहा था। तभी देर रात माड़वाताल घाट के पास तेज रफ्तार माजदा वाहन बेकाबू हो गई और घाट के नीचे गिर गई। इससे वाहन के इंजन में दबने से चालक मनोज गंधर्व की मौके पर मौत हो गई। रात में जब आने-जाने वाले लोगों ने दुर्घटना को देखा, तो मामले की सूचना कापू पुलिस को दी गई। जहां रात में घाटी और जंगल होने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया। सुबह क्रेन और अन्य माध्यम से लकड़ी और वाहन को निकाला गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। कापू थाना प्रभारी रोहित बंजारे ने बताया कि सेमर का लकड़ी लोड कर माजदा वाहन रायपुर जा रहा था। गाड़ी के कागजात देखे गए, खलासी के पास लकड़ी के दस्तावेज थे। वाहन अनियंत्रित होकर घाट में गिर गई।

तमिलनाडु के मंदिर उत्सव में अंगारों में गिरा शख्स, मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में एक उत्सव के दौरान अंगारों के गड्ढे में गिरने से 56 साल के एक भक्त केशवन की मौत हो गई। यह घटना कुयावनकुडी में अग्नि-चलन अनुष्ठान के दौरान हुई। इस हादसे का एक वीडियो वायरल हो गया है। स्थानीय रूप से थीमिधि थिरुविझा के नाम से जाना जाने वाला यह अनुष्ठान वार्षिक सुब्बैया मंदिर उत्सव का हिस्सा है। जो इस बार 10 अप्रैल को शुरू हुआ था। भक्त अपनी मन्नतें पूरी करने और आशीर्वाद लेने के लिए जलते अंगारों से भरे गड्ढे में नंगे पैर चलते हैं। 10 अप्रैल से शुरू हुए थीमिधि थिरुविझा अनुष्ठान के लिए वालंथरावाई गांव के रहने वाले केशवन भी आए थे। मन्नत पूरी करने के दौरान केशवन संतुलन खो बैठे और जलते अंगारों पर गिर पड़े। मंदिर में मौजूद बचाव दल ने उन्हें तुरंत बाहर निकाला और रामनाथपुरम जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मुजफ्फरपुर में बस्ती में आग, जिंदा जले 4 बच्चे

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चों हो गई है। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान की बेटी ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं। वहीं, 15 से 20 बच्चे आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग गए थे। दो घंटे बाद गायब सभी बच्चे अपने घर पहुंच गए।मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन का कहना है कि घटना में 5वें व्यक्ति की मौत अफवाह थी। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से हाई टेंशन तार गोलक पासवान के घर पर गिरा, जिसकी वजह से आग लगी। फिर देखते ही देखते पूरे झुग्गी इलाके में फैल गई। इस दौरान कई झुग्गियों में रखे सिलेंडर ब्लास्ट कर गए।

सुप्रीम कोर्ट बोला- उर्दू भारत की मिट्टी की भाषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले के पातुर नगर परिषद के बोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू भाषा के उपयोग को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। मंगलवार को कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि भाषा का धर्म नहीं होता और उर्दू को केवल मुसलमानों की भाषा मानना सच्चाई और भारत की विविधता की एक दुर्भाग्यपूर्ण गलतफहमी है। यह याचिका पूर्व नगरसेविका वर्षाताई संजय बगाड़े ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि नगर परिषद का कार्य केवल मराठी में ही हो सकता है और उर्दू का उपयोग बोर्ड पर भी नहीं होना चाहिए। पहले यह याचिका नगर परिषद और फिर बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। अंत में याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि भाषा किसी धर्म की नहीं, बल्कि समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है। भाषा संस्कृति होती है और समाज की सभ्यतागत यात्रा का मापदंड होती है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन के लिए मंडला की बेटी शुचि उपाध्याय का किया अभिनंदन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माताओं, बहनों और बेटियों के हित में हमारी सरकार हमेशा उनके साथ हैं। इनके लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। बहनों को हमारी सरकार उनका हर वाजिब हक दिलायेगी। राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो, इसे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। देश की राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े, इसके लिए आगामी वर्षों में लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार पहले ही निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंडला जिले के टिकरवारा गांव में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने यहाँ आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिए 2500 करोड़ से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित होने के लिए सुश्री शुचि उपाध्याय का मंच से अभिनंदन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं में हितलाभ और युवाओं को नियुक्ति-पत्र भी वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.27 करोड़ बहनों को 1552.38 करोड़ रुपए, 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में पात्र 25 लाख बहनों को 450 रुपए में सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 57 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई।

लुधियाना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ प्रदर्शन

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के भारत नगर चौक पर आज मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए। केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। लोकसभा में संशोधित वक्फ बोर्ड बिल का कड़ा विरोध किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मुस्लिम समुदाय के नेता खालिद अली ने किया। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। जिला पुलिस ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस ने डीसी ऑफिस के सामने बैरिकेड्स लगा दिए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को डीसी ऑफिस के पास ही रोक दिया।

राजकोट में सिटी-बस ने 7 को रौंदा, 4 की मौत

राजकोट (एजेंसी)। राजकोट में इंदिरा सर्किल के पास बुधवार सुबह एक लापरवाह सिटी बस चालक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से गुस्साए लोगों की भीड़ ने बस में तोड़फोड़ की और भारी हंगामा किया। हालात बेकाबू होने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि सिग्नल खुलने पर सभी

वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहे थे। इसी बीच अचानक पीछे से एक सिटी बस आई और लोगों को टक्कर मारते आगे बढ़ गई। बस ने 7-8 लोगों को अपनी चपेट में लिया, जिनमें से 3 की मौके पर ही मौत हो गई। राजकोट शहर पुलिस आयुक्त ब्रजेश कुमार झा, संयुक्त पुलिस आयुक्त महेंद्र बागडिया, डीसीपी ट्रैफिक पूजा यादव, डीसीपी क्राइम पार्थराजसिंह गोहिल के साथ ही गांधीग्राम, विश्वविद्यालय, मालवीय, क्राइम ब्रांच, एसओजी पुलिस और विधायक डॉ. दर्शिता शाह भी घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुस्साई लोगों की भीड़ ने बस में तोड़फोड़ कर ड्राइवर को भी पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

देश में बाड़मेर सबसे गर्म, श्रीनगर में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बताया कि 15 अप्रैल श्रीनगर का बीते 80 सालों में सबसे ज्यादा गर्म दिन था। शहर का तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री ज्यादा 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर में इस वक्त औसत तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहता है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में इससे पहले 20 अप्रैल, 1946 को सबसे ज्यादा तापमान 31.1 डिग्री दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 15 अप्रैल को कश्मीर घाटी के अलग-अलग इलाकों में तापमान सामान्य से 8.1 से 11.2 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं, राजस्थान का बाड़मेर लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। जिले का तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है। इधर, हिमाचल में ओलावृष्टि-तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां के 4 जिलों में भारी बारिश भी हो सकती है। अगले 5 दिन राज्य में मौसम खराब बना रहेगा। हरियाणा में आज बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। बिहार के 22 जिलों में बारिश-आंधी का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वक्फ कानून पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दो घंटे सुनवाई हुई। इस कानून के खिलाफ 100 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन पर केंद्र से जवाब मांगा है, लेकिन कोर्ट ने कानून के लागू होने पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के विरोध में देशभर में हो रही हिंसा पर चिंता जताई। इस पर एसजी ने कहा कि ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हिंसा का इस्तेमाल

दबाव डालने के लिए किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम इस पर फैसला करेंगे। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ कानून के तहत बोर्ड में अब हिंदुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह अधिकारों का हनन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। हिंदुओं के दान कानून के मुताबिक, कोई भी बाहरी बोर्ड का हिस्सा नहीं हो सकता है। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है।

ममता बनर्जी बोलीं- योगी सबसे बड़े भोगी

कोलकाता (एजेंसी)। इमामों की सभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं। महाकुंभ में कई लोगों की जान चली गई। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ों में कई लोग मारे गए। योगी लोगों को रैलियां नहीं निकालने देते। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद ममता ने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में कहा- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, बीएसएफ और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए।

दरअसल, यूपी के सीएम योगी ने मंगलवार को बंगाल हिंसा पर कहा था- बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांति दूत कह रही हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं।

भारत के 52वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस बीआर गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की है। उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ ही जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का भारत का 52वां मुख्य न्यायाधीश बनना तय हो गया है।

परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे।

शाह का भतीजा बनकर ठगी, आरोपी की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक हाई-प्रोफाइल ठगी के मामले में आरोपी अजय कुमार नय्यर की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। नय्यर पर आरोप है कि उसने खुद को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का भतीजा बताकर एक कारोबारी से 3.9 करोड़ रुपए ठगे। आरोपी 10 नवंबर 2021 से न्यायिक हिरासत में है। एडिशनल सेशन जज डॉ. हरदीप कौर ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए कहा, आरोपों की गंभीरता और अपराध की प्रकृति को देखते हुए अदालत आरोपी को जमानत देने के पक्ष में नहीं है। इसलिए यह जमानत याचिका खारिज की जाती है। अदालत ने कहा कि आरोपी ने खुद को केंद्रीय गृहमंत्री का भतीजा बताकर शिकायतकर्ता से राष्ट्रपति भवन के नवीनीकरण के लिए 90 करोड़ रुपए का टेंडर दिलवाने का झांसा दिया और इसके बदले में शिकायतकर्ता से नकद और आरटीजीएस के माध्यम से 3.9 करोड़ रुपए लिए। सरकारी वकील ने बताया कि शिकायतकर्ता अब तक जांच में पूरी तरह से सहयोग कर रहा है

गुरुग्राम लैंड स्कैम, रॉबर्ट वाड्रा से 2 घंटे पूछताछ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। गुरुग्राम लैंड स्कैम केस में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय ने 2 घंटे पूछताछ की। ईडी ने उन्हें कल फिर से पूछताछ के लिए बुलाया है। पूछताछ के बाद वाड्रा ने कहा कि वे मुझसे बहुत प्यार करते हैं। वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद ईडी ऑफिस पहुंचे थे। उनके साथ प्रियंका गांधी भी थीं। वह पूछताछ तक वेटिंग रूम में

बैठी रहीं। इससे पहले मंगलवार को भी ईडी ने वाड्रा से करीब 6 घंटे पूछताछ की थी। वाड्रा पूछताछ के लिए पैदल ही दफ्तर पहुंचे थे। बुधवार को पेशी से पहले वाड्रा ने कहा, मैं कभी भी अपने आपको सॉफ्ट टारगेट नहीं बुलाऊंगा। आप (केंद्र सरकार) मुझे परेशान करोगे या कोई प्रेशर डालोगे तो मैं और उभरकर आऊंगा, स्ट्रॉन्ग बनूंगा। हम लोगों की बात रखते हैं।

पहली बार 13 देशों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा हरियाणा विधानसभा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा में पहली बार 13 देशों के 27 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के अध्ययन दौरे पर पहुंचे। विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधान परिसर में प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। इस दौरान स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने अपना संबोधन दिया। साथ ही विधायी कार्यों की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी प्रतिनिधि कानूनी विशेषज्ञ शामिल हुए।

इन्हें 36वें अंतरराष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लोकसभा में प्रशिक्षण के बाद हरियाणा विधानसभा से जोड़ा गया है। लोकसभा ने 16 से 21 अप्रैल तक 6 दिवसीय प्रशिक्षण की जिम्मेदारी हरियाणा विधानसभा सचिवालय को सौंपी है। इस शिष्टमंडल में 13 देशों के संसदीय व न्यायिक प्रणाली से जुड़े 27 उच्च अधिकारी शामिल हुए।

कांग्रेस का देशभर में ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इसके विरोध में पार्टी देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर आज (बुधवार को) विरोध प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से

मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी।

12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। इससे पहले, मंगलवार को ही सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह धमकाने का काम कर रहे हैं। तस्वीर 14 अप्रैल की है, जब राहुल गांधी और सोनिया गांधी नई दिल्ली में डॉ. बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए संसद पहुंचे थे।

गुजरात के मोडासा में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान शुरू

अहमदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात दौरे के दूसरे दिन आज मोडासा जिले के अरावल्ली पहुंचे हैं। यहां वे सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। इसके बाद बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर हॉल में जिले के 1200 बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संबोधन में राहुल गांधी ने कहा- वर्तमान लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं है, बल्कि भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है। पूरा देश जानता है कि अगर कोई भाजपा को हरा सकता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर हमें देश में आरएसएस और भाजपा को हराना है तो

इसका रास्ता गुजरात से होकर ही जाता है। उन्होंने कहा- हमारी पार्टी की शुरुआत गुजरात में ही हुई थी। आपने हमें हमारे महानतम नेता महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए। लेकिन हम गुजरात में लंबे समय से हतोत्साहित थे। लेकिन मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि कुछ भी मुश्किल नहीं है। पार्टी में बदलाव लाने का फैसला शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी में बदलाव लाने का फैसला किया है। अब जिला स्तर के नेताओं को भी मजबूत किया जाएगा। आज पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा हो रही है

जो पार्टी के लिए विनाशकारी है। मुझे पार्टी नेताओं से जानकारी मिली है कि स्थानीय चुनावों के टिकट वितरण में स्थानीय लोगों को ही शामिल नहीं किया जाता है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- अहमदाबाद में पार्टी नेताओं से हुई चर्चा का मुख्य मुद्दा यही था कि राज्य के किसी जिले को अहमदाबाद से नहीं चलाया जाना चाहिए। जिले को जिले से ही चलाया जाना चाहिए। इसके लिए जिला नेताओं को मजबूत किया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष को जिम्मेदारी और शक्ति सौंपी जानी चाहिए। हम यह काम अभी से शुरू कर रहे हैं।

प्यार से भाजपा के लोगों को बाहर करना है हमें अब नई पीढ़ी को कांग्रेस में लाना है। लेकिन, यह भी ध्यान रखना है कि इस भीड़ में भाजपा से जुड़े लोग भी शामिल होंगे और हमें उन्हें प्यार से बाहर निकालना है।

पंजाब ने बनाया 18 सालों के आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में जो काम कोई अन्य टीम नहीं कर पाई, उसे पंजाब किंग्स ने कर दिया। पंजाब ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो बड़ी-बड़ी टीमों ने नहीं किया। कम स्कोर के बाद पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने करिश्मा कर दिया और केकेआर को धांसू अंदाज में पटखनी दे डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स 111 रन के कुल स्कोर पर आउट हो गई। इसके बाद पंजाब किंग्स के गेंदबाजों में कमाल करते हुए केकेआर के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने नहीं दिया और एक-एक करके टीम को महज 95 रन पर समेट दिया। 18 सालों के आईपीएल इतिहास में पंजाब ने सबसे कम स्कोर डिफेंड करने का कीर्तिमान बना दिया। इससे पहले साल 2009 में पंजाब के सामने चेन्नई सुपर किंग्स ने 116 रनों का डिफेंड किया था। पंजाब किंग्स ने इस कीर्तिमान को तोड़ते हुए लिस्ट में अपना नाम सबसे ऊपर दर्ज करा दिया। एक समय मायूस और उदास बैठीं पंजाब कि मालकिन प्रीति जिंटा केकेआर का हर विकेट गिरने पर खुशी से उछल रही थीं और जीत के बाद स्टेडियम में ही कूदने लगीं। उनको सबसे ज्यादा खुशी हुई और होनी भी थी क्योंकि टीम ने एक नया इतिहास रच दिया था।

चहर के चौसर में फंस गई चयक्र, पंजाब ने ऐसे हासिल की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में एक खिलाड़ी ऐसा है जिसे बेहद चतुर गेंदबाज माना जाता है। उन्होंने अपने इस खिताब को एक बार फिर से 15 अप्रैल को खेले गए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में साबित कर दी है। पंजाब किंग्स की तरफ से युजवेंद्र चहल ने ऐसा स्पेल किया की टीम ने हारे हुए मैच में धमाकेदार जीत हासिल कर ली। केकेआर को इस मैच में पंजाब ने 16 रनों से हराया। युजवेंद चहल ने 4-0-28-4 और मार्को जानसेन ने 17 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आईपीएल के इतिहास में पंजाब ने लो स्कोर का बचाव करते हुए जीत हासिल करने की उपलब्धि भी अपने नाम की है। बता दें कि सबसे कम स्कोर को इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2009 में पंजाब के खिलाफ ही डिफेंड किया था, जिसमें 116 रन बने थे। वहीं युजवेंद्र चहल के शानदार स्पेल की बदौलत ये मैच पंजाब जीत सकी। बता दें कि एक समय ऐसा था जब कोलकाता की टीम 60 रन पर दो विकेट के स्कोर पर थी वहीं 95 रन पर पूरी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद 12वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर रिंकू सिंह दो रन बनाकर स्टम्प आउट हुए और रमनदीप कैच आउट हो गए। इन विकटों के साथ ही पंजाब ने जीत का पलड़ा भारी कर लिया था। रमनदीप के पवेलियन लौटने के बाद पंजाब का स्कोर 76/7 पहुंच गया था। युजवेंद चहल के इस स्पेल के बीच वेंकटेश अय्यर को ग्लेन मैक्सवेल ने सात रनों पर एलबीडब्लू आउट किया।

सुनील नरेन ने अपने नाम किया बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 31वां मुकाबला पंजाब किंग्स और केकेआर के बीच खेला जा रहा है। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्डेयिम में खेले जा रहे इस मुकाबले में केकेआर के स्पिन गेंदबाज सुनील नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

सुनील नरेन ने इस मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन ओवरों में केवल 14 रन खर्च करते हुए दो विकेट हासिल किए। नरेन ने युवा ऑलराउंडर सुयांश शेडगे को विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के हाथों कैच आउट कराया। वहीं मार्को यानसेन को क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेजा। इन दो विकेटों के साथ नरेन आईपीएळ में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए हैं।

सुनील नरेन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अब तक 36 विकेट लिए हैं। उनका पंजाब के खिलाफ प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है, जहां वे नई गेंद से भी आक्रामण करते हैं और मिडिल ओवर्स में भी किफायती साबित होते हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भी पंजाब किंग्स के खिलाफ 35 विकेट झटके हैं।

मोहन बागान सुपर जायंट्स ने जीती ट्रॉफी, फाइनल में बैंगलुरु एफसी को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, टीम ने इंडियन सुपर लीग 2024-25 का खिताब अपने नाम किया है। इस दौरान मोहन बागान ने बैंगलुरु एफसी को हराया है। उसने ये मुकाबला 2-1 से जीता। वहीं मोहन बागान संजीव गोयनका की टीम है। इस जीत के साथ ही आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम को बधाई दी है। आईएसएल के इस सीजन का फाइनल मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया। मोहन बागान ने फाइनल मैच के फर्स्ट हाफ से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम के दमदार खिलाड़ी दिमिक्षी पेट्राटोस ने 29वें मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। इसके जवाब में बैंगलुरु ने भी करारा जवाब दिया। लेकिन वे पहले हाफ में एक भी गोल नहीं कर सके। मोहन बागान के गोलकीपर विशाल कैथी ने इस दौरान कमाल का प्रदर्शन किया। बैंगलुरु एफसी ने दूसरे हाफ में वापसी की। सुनील छेत्री ने टीम को बराबरी पर पहुंचा दिया। छेत्री ने 62वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागा था। इसके बाद मोहान बागान ने काउंटर अटैक किया। उसके लिए जेसन कमिंस ने 78वें मिनट में गोल करके बढ़ दिला दी। इस तरह मोहन बागान ने मुकाबला 2-1 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कैसे मिलेगा आईपीएल 2025 प्लेऑफ का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 18वें सीजन में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए टीमों के बीच रेस तेज हो गई है। केकेआर, लखनऊ और चेन्नई सुपर किंग्स ने आधा सफर तय कर लिया है तो बाकी टीमें आधे सफर की दहलीज पर हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किसी एक टीम को प्लेऑफ्स में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए कम से कम कितने मैच जीतने की आवश्यकता होता है और किन परिस्थितियों में उतने मैच जीतने के बावजूद टीमें प्लेऑफ से बाहर हो जाती हैं। आईपीएल 2025 में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप्स में बांटा गया है। ग्रुप में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं तो ग्रुप क्र में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, केकेआर, लखनऊ और चेन्नई सुपर किंग्स ने आधा सफर तय कर लिया है तो बाकी टीमें आधे सफर की दहलीज पर हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किसी एक टीम को प्लेऑफ्स में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए कम से कम कितने मैच जीतने की आवश्यकता होता है और किन परिस्थितियों में उतने मैच जीतने के बावजूद टीमें प्लेऑफ से बाहर हो जाती हैं। आईपीएल 2025 में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप्स में बांटा गया है। ग्रुप में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं तो ग्रुप क्र में मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें शामिल हैं। दोनों ग्रुप्स में टीमों को एक क्रम में रखा जाता है और अपने समान वाली टीम से उन्हें दो मैच खलने होते हैं। अपने ग्रुप में सभी टीम से 2-2 मैच भी खेलने होते हैं और दूसरे ग्रुप की समान टीम को छोड़कर बाकी चारों टीमों से एक मैच खेलना होता है।

प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 14 मैच खेलती हैं। कुछ टीमों के खिलाफ दो बार और कुछ के खिलाफ एक बार मैच खेलना होता है। लीग चरण के अंत में अंक तालिका में टॉप चार में रहने वाली टीमें प्लेऑफ्स के लिए क्वालिफाई करती हैं।

वहीं आईपीएल के इतिहास और पिछले सीजनों के आंकड़ों के आधार पर नजर डालें तो प्लेऑफ्स का टिकट हासिल करने के लिए टीमों को 8 जीत या 16 अंक की जरूरत होती है। हालांकि, 7 मैच जीतने वाली या 14 अंक हासिल करने वाली टीमें भी कई बार प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं लेकिन तब ज्यादातर टीमों का प्रदर्शन बेहतर होता है और नेट रनरेट की लड़ाई भी कांटे की हो जाती है। साल 2024 के आईपीएल सीजन में चुन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 7-7 मैच जीते और दोनों के 14-14 अंक थे लेकिन बेंगलुरु ने अपने नेट रनरेट बेहतर किया और वे प्लेऑफ में पहुंच गए तो सीएसके बाहर हो गई।

विराट कोहली ने आरसीबी फैंस को किया ट्रोल

नई दिल्ली। आरसीबी आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आरसीबी ने अब तक 6 मैचों में से चार में जीत हासिल की है। पिछले 17 सालों से आरसीबी खिताब के लिए तरह रही है। हालांकि, आरसीबी फैंस को 18वें सीजन में ट्रॉफी जीतने पर काफी भरोसा है। फैंस की नंबर-18 थ्योरी की इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, फैंस ने 18वें सीजन और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की 18 नंबर जर्सी का कनेक्शन जोड़ा है।

मयंक यादव की जल्द होगी धमाकेदार वापसी, फिटनेस पर आया ताजा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल 2025 का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने अभी तक खेले 7 मैचों में चार जीत दर्ज की हैं। तेज गेदंबाजी में शार्दुल ठाकुर के अलावा लखनऊ के लिए कोई अन्य गेंदबाज अधिक प्रभावी साबित नहीं हुआ है। इस बीच लखनऊ के लिए अच्छी खबर ये है कि, मंयक यादव ने लखनऊ टीम के ट्रेनिंग कैम्प को जॉइन कर लिया है। वहीं कहा जा रहा है कि मयंक आने वाले शनिवार के दिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में खेलते हुए दिख सकते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें मयंक यादव का होटल में स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने होटल स्टाफ के सदस्यों को ऑटोग्राफ भी दिया। याद दिला दें कि 22 वर्षीय मयंक कमर की चोट से जूझते रहे हैं और अक्टूबर 2024 के बाद क्रिकेट के मैदान पर नजर नहीं आए हैं। इसी चोट के कारण उन्हें पूरा डोमेस्टिक सीजन मिस करना पड़ा, वो तभी से बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में रिकवर कर रहे थे। अभी कुछ दिन पहले ही लखनऊ के हेड कोच जस्टिन लैंगर ने बताया ता कि मयंक यादव 90-95 प्रतिशत फिट हो गए हैं और बहुत जल्द लखनऊ टीम के कैम्प को जॉइन करेंगे। अब मयंक के लखनऊ टीम के कैम्प को जॉइन करने से टीम के पेस अटैक को मजबूती मिलेगी। मयंक यादव ने आईपीएल 2024 में सिर्फ चार मैच खेले थे, जहां उन्होंने अपनी घातक स्पीड से क्रिकेट जगत को हिलाकर रख दिया था। उन्हें चार में से 2 मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था। अभी शार्दुल ठाकुर, आकाशदीप और आवेश खान लखनऊ टीम में तेज गेंदबाजी का भार संभाल रहे हैं।

केकेआर के तीन खिलाड़ी बल्लेबाजी टेस्ट में फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स और केकेआर के बीच खेले गए मुकाबले में सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और एनरिक नॉर्खिया का बल्ला जांच में फेल रहा। ये तीनों खिलाड़ी केकेआर की टीम का हिस्सा हैं। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरू होने पर सलामी बल्लेबाज नरेन का बल्ला जांचा। जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा।

इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़े रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास हुआ। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। जब आंद्रे रसेल

11वें ओवर में पंजाब किंग्स के खिलाफ बल्लेबाजी करने आए तो अंपायर साईसुदर्शन कुमार ने टेस्ट किया और बल्ला पास नहीं हो पाया।

केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया, क्योंकि टीवी कॉमेंटेटर्स के अनुसार अंपायर्स मोहित कृष्णदास और साईसुदर्शन कुमार की जांच में उनका बल्ला फेल हो गया। ये घटना 16वें ओवर में हुई, इसके बाद सब्सिट्यूट रहमानउल्लाह गुरबाज नॉटर्जे के लिए अतिरिक्त बल्ले लेकर आएं। हालांकि, वह इस बल्ले से एक भी गेंद नहीं खेल पाए स्ट्राइक पर खड़े आंद्रे रसेल अगली ही गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। इस सीजन से पहले बल्ले की जांच मैच के समय नहीं किया जाता था। अंपायर मैच की पूर्व संध्या पर ही टेस्ट कर लेते थे लेकिन इससे बल्लेबाज मैच के दिन फायदा उठा सकते थे और अलग बल्ले से खेल सकते थे, जिसके कारण इस सीजन मैच के दौरान ही जांच किया जा रहा है।

क्या है नियम?

उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार बल्ले के मुख की चौड़ाई 4.25 इंच से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बल्ले के मध्य भाग की मोटाई 2.64 इंच से ज्यादा नहीं हो सकती। किनारे की ज्यादातर चौड़ाई 1.56 इंच से ज्यादा नहीं हो सकती। बल्ले की लंबाई हैंडल के टॉप पर आधार तक 38 इंच से ज्यादा नहीं हो सकती।

अजिंक्य रहाणे ने दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच 15 अप्रैल को खेले गए मैच में बेहद रोमांच देखने को मिला है। आईपीएल के इस मैच में केकेआर की टीम के हाथ से जीता हुआ मैच फिसल गया। बेहद लो स्कोरिंग मैच में भी कोलाकाता अच्छा खेल नहीं दिख सकी और हार गई। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार का पूरा ठीकरा अपने ही सिर पर फोड़ा है। इस मैच को गंवाने का पूरा दोष अजिंक्य ने अपने ऊपर लिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स इस मैच में एक ऐसे मुकाम पर थी जब 62 रन पर टीम के दो विकेट खो चुके थे। हालांकि इसके बाद फिरकी ऐसी घूमी की 95 रनों पर पूरी टीम पवेलियन लौट गई।

अजिंक्य रहाणे ने इस हार के बाद कहा कि कुछ भी समझाने की जरुरत नहीं है। मैदान पर जो भी हुआ हमने देखा है। टीम ने जो कोशिश की उससे मैं खुश नहीं हूं। इस

पूरी हार का दोष मैं अपने ऊपर लेता हूं क्योंकि मैंने गलत शॉट खेला था। ये गेंद मिल हुई थी। कोलकाता के कप्तान का ये बचान चर्चा में है क्योंकि काफी कम मौकों पर देखने को मिलता है जब कप्तान हार की जिम्मेदारी खुद लेता है। अजिंक्य रहाणे ने कहा कि हमने काफी खराब बल्लेबाजी की जिसकी जिम्मेदारी भी हम लेते है। इस पिच पर गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजों के कारण ही पंजाब की टीम सिर्फ 111 रन पर सिमट गई। अजिंक्य रहाणे ने कहा कि उन्हें सकारात्मक रुख ही अपनाना होगा क्योंकि अभी आधा टूर्नामेंट बचा हुआ है। टीम को ध्यान देकर आगे बढ़ना जरुरी है।

बता दें कि इस मैच में पंजाब की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बना सकी थी जिसके बाद केकेआर का पलड़ा काफी भारी लग रहा था। इस मैच में केकेआर को 16 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। युजवेंद्र चहल ने लय में वापसी करते हुए 28 रन पर चार विकेट लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 के कम स्कोर वाले मैच में मंगलवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स को 16 रन की यादगार जीत दिलायी।

पंजाब किंग्स को 15.3 ओवर में 111 रनों पर रोकने के बाद, केकेआर सात ओवर में दो विकेट पर 60 रन बनाकर आसान जीत की ओर बढ़ रहा था लेकिन इसके बाद चहल ने केकेआर के मध्य क्रम को झकझोर कर पंजाब को रोमांचक जीत दिलाई। केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रनों पर ऑल आउट हो गई। आईपीएल में यह सिर्फ पांचवां मौका है जब दोनों टीमें ऑल आउट हो गयी।

पंजाब किंग्स ने इसके साथ ही आईपीएल में सबसे छोटे स्कोर का सफलता पूर्व बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले सबसे कम स्कोर का बचाव चेन्नई सुपर किंग्स ने 2009 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 116 रन बनाकर किया था। पंजाब के लिए मार्को यानसेन ने भी तीन विकेट लिये जबकि अर्शदीप, जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली।

थानों से 50 और 100 रूपये की वसूली करने वाले शहर की सड़कों पर दादागिरी दिखा रोक रहे गाड़ियां

नो एंट्री में दौड़ रही हैवी वाहनों को रोकने पुलिस नहीं दिखा पाती जुर्रत, प्रायवेट दलालों को सौंप दिया जिम्मा

प्रायवेट दलालों के भरोसे पर चल रही शहर की पुलिसिया व्यवस्था, कानून को दिखाते हैं ठेंगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहरी थानों की पुलिस को ब्लैक मेल कर के रोज़ की 50 और 100 रुपए की आमदनी रखने वाले लोग अब पुलिसिया काम काज में भी खुद को आगे रख रहे तथा जिस काम को करने से पुलिस की टीम को डर लगता है वह काम 50 से 100 रुपए तक प्रति थाना फिक्स पुलिस के प्रायवेट दलाल करते जा रहे हैं जिसकी वजह एक ओर जहां लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी कई अहम सवाल खड़े हो उठते हैं परंतु अपने इन दलालों के साथ सेटिंग करने से पुलिसिया टीम खुद को दूर नहीं रख पाती बल्कि उनके गलत कार्यों में सहयोग भी करती है जिससे लगातार शहर में अपराध में भी वृद्धि हो रही है।

पुलिसिया काम काज में निजी व्यक्ति के हाथ बटाने का ताजा मामला सामने आया है शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कबाड़ी मोहल्ले से या यू कहे की जय स्तंभ चौराहे पर स्थित यातायात थाने से चार कदम की दूरी पर स्थित कबाड़ी मोहल्ले से जहां मंगलवार की शाम सिविल लाइन पुलिस का कहे या शहर की तमाम पुलिस से संरक्षण प्राप्त एक कथित दलाल ने शहरी हाइवे से निकल रहे हाइवा वाहन को रोकने का काम कर दिया और यह काम ये बताकर किया गया कि तुम नो एंट्री में अपनी वाहन को दौड़ा रहे हो अब सोचिए जिस काम में पुलिस या यातायात पुलिस को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए उस कार्य में प्रायवेट दलाल टाइप के लोग पहले पहुंचकर अपना मैनेजमेंट बना रहे हैं तो पुलिसिया व्यवस्था के हाल का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि पुलिस टीम अपनी जिम्मेदारियों को कैसे पूरा करती होगी।

दरअसल यातायात पुलिस की नाक के नीचे इन दिनों हर रोज ही एक या दो हैवी वाहन नो एंट्री में प्रवेश करते दिखाई देते हैं जिसमें पुलिस या प्रशासन का कोई भी आमला किसी भी प्रकार की कार्यवाही से बचते हुए नजर आता है परंतु आए दिन इस तरह की वाहनों को रोकने का जिम्मा पुलिस के निजी दलालों ने अपने कंधे पर ले रखा है जिससे वह अपना मैनेजमेंट आसानी से बना सके और उसका कुछ हिस्सा विभाग को भी पहुंचा दे जिसकी वजह से हर रोज इस तरह के वाहनों को रोकने की घटना सामने आ रही है।

बताया जा रहा है कि जिन निजी व्यक्तियों के कंधों पर पुलिस की टीम ने हैवी वाहनों को रोककर उनसे पैसे की सेटिंग बनाने का जिम्मा सौंपा है उनके काम काज में पुलिस की कोई रोक टोक नहीं होती है बल्कि वाहनों के रुकने पर सेटिंग सटीक बैठाने के लिए एक या दो सरकारी जवानों को भेज भी दिया जाता है जिससे डर कर वाहन चालक उनकी जेब को भर दे।

इस मामले में यातायात प्रभारी अनीमा शर्मा का कहना है कि, ट्रक चालक का कहना है कि जिस प्रायवेट व्यक्ति ने वाहन को नो एंट्री बताकर रोका गया उसने पहले तो खुद से ही वाहन के कागजात चेक किए और बाद में 1 हजार रुपए की मांग करने लगा जब उसे पैसे नहीं मिले तो फिर उसने पुलिसकर्मियों को बुला लिया। वहीं मामले पर यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वाहन नो एंट्री में जा रहा था जिसे किसी प्रायवेट व्यक्ति ने रोका है और उसने 1 हजार रुपए की मांग भी की थी जिससे अगर घटना की सत्यता पाई जाती है तो मामले पर कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी।

थल सेना अध्यक्ष ने उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज भोपाल स्थित निज निवास पर विंध्य क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के गौरव, भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी जी एवं उनकी धर्मपत्नी का सपरिवार स्वागत एवं अभिनंदन किया।जनरल द्विवेदी विंध्य की माटी के वह अनमोल रत्न है जो आज अपनी सेवाएं माँ भारती की सीमाओं की रक्षा करने वाली भारतीय थल सेना के अध्यक्ष के रूप में दे रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।

प्रभारी मंत्री बिछिया नदी उद्गम स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 17 अप्रैल को सुबह 7 बजे राजनिवास से प्रस्थान करेंगे तथा सुबह 8 बजे मऊगंज जिले में पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बिछिया नदी उ–म स्थल पर पूजन, जनचर्चा एवं ग्रामसभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुबह 10.30 बजे वापस राजनिवास रीवा पहुंचेंगे तथा सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री का दोपहर 2 बजे से दोपहर 3.55 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। प्रभारी मंत्री कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में शाम 4 बजे से 5 बजे तक आयोजित पंच-सरपंच सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके बाद प्रभारी मंत्री शाम 5.05 बजे राजनिवास पहुंचेंगे तथा शाम 6 बजे राजनिवास से प्रस्थान कर शाम 6.10 बजे पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा डॉ. अजय सिंह के निवास हरिहरपुर जायेगें तदुपरांत शाम 6.30 बजे प्रभारी मंत्री श्री पटेल दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के लिए प्रस्थान करेंगे।

मां पर पत्थर पटककर किया हमला, हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक युवक ने मां के सिर पर पत्थर पटककर जानलेवा हमला किया। महिला के सिर में चोट आई है। वह गंभीर घायल हो गई, आईसीयू में वेंटिलेटर पर है। जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। घटना बुधवार शाम गुढ़ के सिलचट में हुई। बताया गया कि भाई के लिए बोर कराने के संदेह पर युवक अपनी मां की जान का दुश्मन बन बैठा और उसे गंभीर घायल कर दिया है।

आरोपी हीरालाल केवट दो भाई हैं। एक भाई ने कुछ दिन पहले ही पानी के लिए बोर कराया था। हीरालाल को शक था कि ये बोर उसकी मां श्यामकली केवट ने बोर कराया है। इसी बात को लेकर बीते दो दिनों से विवाद की स्थिति थी। इसी बात से नाराज होकर युवक अपनी मां को ही मारने पर पड़ गया।

घटना के संबंध में गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव ने बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। जिसके खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

मार्च माह और 50 दिन से अधिक की शिकायतें 20 अप्रैल तक निराकृत करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में मार्च माह में दर्ज आवेदन तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदन 20 अप्रैल तक निराकृत करें। अधिकारी स्वयं प्रकरणों का अध्ययन कर उनमें तथ्यपरक प्रतिवेदन दर्ज कराएं। कोई भी आवेदन यदि बिना अटेण्ड किए लेबल-2 में गया तो लेबल-1 अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सभी सीएम हेल्पलाइन प्रकरण दो दिवस में अनिवार्य रूप से निराकृत करें। तहसीलदार राजस्व विभाग के सीमांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के सीएम हेल्पलाइन प्रकरण सात दिवस में निराकृत करें। प्रकरणों के संबंध में पटवारियों से प्रतिवेदन प्राप्त करके उनका निराकरण कराएं। प्राकृतिक आपदा के लंबित प्रकरण तीन दिवस में निराकृत करें। प्राकृतिक आपदा में राहत राशि से संबंधित प्रकरण 30 दिन में निराकृत न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि पीएचई विभाग, ऊर्जा विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, ट्राईबल विभाग तथा नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनका तत्परता से निराकरण कराएं। कार्यपालन यंत्री पीएचई हैण्डपंप तथा नलजल योजना की सभी शिकायतें तीन दिवस में निराकृत करें। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा बिजली की आपूर्ति और बिजली बिलों से संबंधित प्रकरण सात दिवस में निराकृत करें। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कार्यपालन यंत्री पीडब्लयूडी सहायक संचालक पिछड़ावर्ग तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा भी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। गेंहू उपार्जन के लिए अब तक 2500 से अधिक किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में गेंहू का उपार्जन शुरू कराएं। एसडीएम तथा तहसीलदार खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम खाद्य सुरक्षा योजना के आवंटित खाद्यान्न का सात दिवस में शत-प्रतिशत उठाव करके उचित मूल्य दुकानों में भण्डारण कराएं। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की 30 अप्रैल तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि ई आफिस व्यवस्था में जो विभाग ऑनबोर्ड हो गए हैं वे ऑनलाइन माध्यमों से फाइलें प्रस्तुत करें । जो विभाग अभी भी ई ऑफिस व्यवस्था लागू नहीं कर पाए हैं वे सात दिवस में अनिवार्य रूप से ऑनबोर्ड हो जाएं। अप्रैल माह के बाद सभी फाइलें केवल ई आफिस पोर्टल के माध्यम से ही संचालित होंगी। कलेक्ट्रेट के प्रभारी अधिकारी विभागों तथा कार्यालयों को भेजे जाने वाले सभी पत्रों को भी ई ऑफिस से भेजने की व्यवस्था करें। नरवाई जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। उप संचालक कृषि सेटेलाइट से प्राप्त सूचना के आधार पर नरवाई जलाने की रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। एसडीएम और तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों पर निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार जुर्माने की कार्यवाही करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई खराब हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं।

आईजी ने सतना जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने सतना जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में उन्होंने अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण और जनसेवा की स्थिति की गहन समीक्षा की। इस दौरान आईजी ने सतना पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय को उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईएसओ अवार्ड प्रदान किया। यह सम्मान पारदर्शिता, कार्यकुशलता और नागरिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। बैठक के बाद आईजी ने कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर एसपी आशुतोष गुप्ता, एएसपी शिवेश सिंह बघेल, विक्रम सिंह कुशवाहा,सीएसपी महेन्द्र सिंह सहित कई अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के संबंध में बैठक 18 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर की तैयारी बैठक 18 अप्रैल को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित की गई है। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी एम.के. धौलपुरी ने दोपहर 12 बजे से आयोजित बैठक में संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

अवकाश दिवसों में 18 एवं 19 अप्रैल को सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूं खरीदी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूं विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें। उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों और एजेंसियों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि किसानों को कतारों में लंबा इंतजार न करना पड़े, तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की सभी व्यवस्थाएँ समय पर और पारदर्शिता से हों।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है। यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसलिए अवकाश के दिन भी उपार्जन कार्य जारी रखा जाएगा। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधनों और कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी भी उपार्जन केन्द्र से लापरवाही या अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जल संरक्षण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल करें जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के कार्य बड़े पैमाने पर लिए गए हैं। इसकी कार्ययोजना में शामिल खेत तालाब निर्माण, अमृत सरोवर निर्माण, कुओं तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने एवं अन्य जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति 20 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से जारी कर दें। कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा इसका व्यक्तिगत रूचि लेकर मानीटरिंग करें। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण विकास विभाग के साथ अन्य विभागों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन स्तर से तय कार्ययोजना के अनुसार जल संरक्षण के कार्य कराएं। जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करें। इसके लिए रैली, संगोष्ठी, दीवार लेखन तथा अन्य उपायों का उपयोग करें। इस अभियान में सामाजिक संगठनों और आमजनता की भागीदारी सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि अभियान के तहत मनरेगा के 1208 अधूरे कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से अब तक पूर्ण 89 कार्यों का पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कराएं। सभी अधूरे कार्य 20 मई तक पूरे कराकर इनका पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें। खेत तालाब निर्माण के लिए चिन्हित 393 कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करें। महाप्रबंधक उद्योग तथा क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास निगम औद्योगिक इकाईयों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने तथा दूषित पानी को साफ करने की संरचनाएं अनिवार्य रूप से बनवाएं। उप संचालक कृषि आत्मा परियोजना एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों के साथ किसानों के बीच जाकर उन्हें कम पानी में ली जाने वाली फसलों की जानकारी दें। स्प्रिंकलर के उपयोग तथा जल संरक्षण के अन्य उपायों के प्रति किसानों को जागरूक करें। जिला शिक्षा अधिकारी सभी स्कूलों की पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराएं। स्कूलों में जल संरक्षण का संदेश देने के लिए निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएं। सभी सीएमओ नगरीय निकायों में जल स्रोतों की साफ-सफाई, हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाने तथा मकानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन की उच्च प्राथमिकता का कार्यक्रम है। इसमें शामिल सभी विभाग जल संरक्षण की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहें। प्रत्येक दिन के कार्य की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप पर अच्छे फोटोग्राफ के साथ उपलब्ध कराएं। जनसम्पर्क अधिकारी जल संरक्षण की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन अभियान के तहत नहरों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य प्राथमिकता से कराएं। वन मण्डलाधिकारी जल गंगा अभियान के दौरान वन क्षेत्र के जल स्रोतों की साफ-सफाई, स्टापडैम, चेकडैम तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराएं। वृक्षारोपण की भी पूरी तैयारी कर लें। आयुक्त नगर निगम शहर के प्रमुख तालाबों तथा बीहर एवं बिछिया नदी में साफ-सफाई का कार्य कराएं। साथ ही माई भारत पोर्टल में जल दूतों का पंजीयन भी कराएं। जन अभियान परिषद तथा ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े समूह ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। एसडीएम अभियान के तहत सभी नहरों, अमृत सरोवरों तथा अन्य तालाबों को खसरे में दर्ज कराएं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समग्र धारकों का ई-केवायसी कराने हेतु विशेष शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार हितग्राहियों का आधार लिकिंग का कार्य किया जा रहा है जिसके तहत फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर से खसरा लिकिंग एवं सीमांकन कार्य होंगे। समग्र धारकों के ईकेवायसी कराने के उद्देश्य से 15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक त्योंथर अनुभाग में विशेष शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। एसडीएम त्योंथर संजय जैन द्वारा ग्राम पंचायत/नगर पालिका में विशेष शिविर में पटवारी, सचिव/रोजगार सहायक/वार्ड प्रभारी की ड्यूटी लगाकर पात्र हितग्राहियों का शत प्रतिशत ईकेवायसी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।